दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-344 भोपाल, सोमवार 25 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार
एक मिनट में जिंदगी नहीं बदलती पर एक मिनट सोचकर लिया गया फैसला पूरी जिंदगी बदल देता है।
अज्ञात

पंचांग
कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी, सोमवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:22/5:47
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	36 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,395

जम्मू में शाह की रैली : गृह मंत्री बोले- 370 हटने के बाद विकास का नया दौर शुरू हुआ, अब किसी को डरने की जरूरत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के दौरे के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू में रैली को संबोधित किया। शाह ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद प्रदेश में विकास का नया सफर शुरू हुआ है। अब यहां किसी को डरने की जरूरत नहीं है। अब जम्मू के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। मौसम खराब होने के कारण शाह की रैली का स्थान बदला गया है। अब भगवती नगर की जगह उनकी रैली जम्मू यूनिवर्सिटी के जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में हो रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। हम ऐसी स्थिति बनाने चाहते हैं जिससे एक भी व्यक्ति की जान न जाए। आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए निर्माण कार्य शुरू हुए हैं। जम्मू में दो साल के अंदर मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी। कल हेलिकॉप्टर पॉलिसी की घोषणा हुई। अब जम्मू के हर जिले में हेलिपैड बनाए जाएंगे।

राज्य में 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश:- शाह ने मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए जम्मू-कश्मीर के 7 हजार लोगों को नौकरी का अपॉइंटमेंट लेटर देने का ऐलान किया। वहीं प्रदेश में 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश आने की जानकारी भी दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 7 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने की बात कही। वहीं उज्जवला योजना समेत मोदी सरकार के डेवलपमेंट प्लान का भी जिक्र किया।

प्रदेश को प्रधानमंत्री ने 55 हजार करोड़ का पैकेज दिया...

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनते ही 55 हजार करोड़ का पैकेज जम्मू-कश्मीर को दिया। यह मोदी जी का शासन है। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। तीन परिवारवाले मुझसे पूछ रहे थे कि क्या दोगे। आप ही बताइए की ये परिवारवालों को अब तक किसकी चिंता रही है। उन्होंने 70 सालों में जम्मू-कश्मीर को क्या दिया।

IIT के सेटेलाइट कैंपस खोलने का ऐलान
शाह ने कहा कि मैं आज यहां आया हूं तो ढेर सारे कार्यक्रमों का उद्घाटन हुआ है। जम्मू-कश्मीर में 7 नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो चुकी है। आज IIT के एक कैंपस का उद्घाटन हुआ। मैंने आज तक इतना आधुनिक कैंपस नहीं देखा। सेटेलाइट कैंपस खोलकर ज्यादा से ज्यादा जम्मू-कश्मीर के बच्चों को IIT में एडमिशन दिलाने की कोशिश होगी।

जम्मू-कश्मीर के युवाओं के आगे दहशतगर्द नाकाम

शाह ने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर के 45 हजार युवा लोगों की सेवा में लगते हैं तो दहशतगर्द कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में निवेश के चलते 5 लाख नए रोजगार पैदा होने वाले हैं। जब हम नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लेकर आए तो इसका मजाक उड़ाया गया। लेकिन 12 हजार करोड़ का निवेश हो चुका है। अमित शाह ने कहा, कोरोना ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। लोग सोच रहे थे कि भारत कोरोना का सामना कैसे करेगा, लेकिन मोदी जी ने कोरोना महामारी को सबसे अच्छे तरीके से संभाला। जम्मू-कश्मीर में कोरोना वैक्सीन की सिंगल डोज 100त्न लोगों को लग चुकी है।

IIT जम्मू के नए कैंपस का उद्घाटन

गृह मंत्री अमित शाह ने आज ढ्ढञ्ज जम्मू के नए कैंपस का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उपराज्पाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे। अमित शाह तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर गए हैं। आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद यह जम्मू-कश्मीर में शाह का पहला दौरा है। उनका ऊधमपुर और हंदवाड़ा के मेडिकल कालेजों का शिलान्यास करने का भी कार्यक्रम है। अपने दौरे के पहले दिन अमित शाह ने हालिया आतंकी हमलों में मारे गए जवानों और नागरिकों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने देश के बड़े पुलिस अधिकारियों से पूछा कि घाटी में इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी।

संजय राउत का पीएम मोदी पर निशाना, 100 करोड़ टीकाकरण के दावे को बताया झूठा

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि देश में कोविड-19 रोधी टीके की 100 करोड़ खुराक देने का वादा 'झूठा' है और पात्र नागरिकों को अब तक 23 करोड़ से ज्यादा खुराक नहीं लगाई गई है। महाराष्ट्र में शनिवार को नासिक में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि वह यह सबूत देंगे कि 100 करोड़ टीकाकरण का दावा 'झूठा' है। राज्य सभा सदस्य ने बिना किसी का नाम लिए हुए कहा, '' आप कितना झूठ बोलेंगे? शिवसेना के प्रमुख प्रवक्ता ने दावा किया, ''पिछले एक पखवाड़े में 20 हिंदू और सिखों की हत्या हुई। 17 से 18 सैनिक शहीद हो गए।

मिजोरम में फिर बढ़ने लगे कोरोना के केस, 24 घंटों में सामने आए 572 नए मामले

नई दिल्ली। मिजोरम में कोविड-19 के 572 नए मामले सामने आए हैं, जिससे राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,17,261 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दैनिक संक्रमण दर 9.47 फीसदी है। उन्होंने बताया कि नए संक्रमित मरीजों में 138 बच्चे शामिल हैं। मिजोरम में शनिवार को कोविड-19 के 745 नए मामले सामने आए थे। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में सात लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 407 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि आइजोल जिले में सबसे ज्यादा 298 मामले सामने आए थे। राज्य में वर्तमान में 8,943 मरीजों का उपचार चल रहा है।, जबकि 1,07,911 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। राज्य में स्वस्थ होने की दर 92 फीसदी और मृत्यु दर 0.34 फीसदी है।

मन की बात का 82वां एपिसोड, प्रधानमंत्री बोले-

वैक्सीनेशन कैंपेन को बड़ी सफलता मिली, देश नई ऊर्जा से आगे बढ़ रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि आप सभी को नमस्कार। कोटि-कोटि नमस्कार। मैं आप सभी को कोटि-कोटि नमस्कार इसलिए भी कह रहा हूं कि 100 करोड़ वैक्सीन डोज के बाद आज देश नए उत्साह, नई ऊर्जा से आगे बढ़ रहा है। हमारे वैक्सीन कार्यक्रम की सफलता, भारत के सामर्थ्य को दिखाती है। मोदी ने कहा कि मैं जानता था कि हमारे हेल्थकेयर वर्कर्स देशवासियों के टीकाकरण में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने इनोवेशन के साथ अपने दृढ़ निश्चय से मानवता की सेवा का नया मानक स्थापित किया। उन्होंने तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सुरक्षा कवच दिया। एक से बढ़कर एक अनेक प्रेरक उदाहरण हमारे सामने हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियों आप जानते हैं कि अगले रविवार 31 अक्टूबर को सरदार पटेल जी की जयंती है। मैं लौहपुरुष को नमन करता हूं। 31 अक्टूबर को हम राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। हम एकता का संदेश देने वाली किसी न किसी एक्टिविटी से जरूर जुड़ें। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी उरी से लेकर पठानकोट तक बाइक रैली निकालकर एकता का संदेश दे रहे हैं।

आजादी के आंदोलन से जुड़ी रंगोली बनाने की अपील

मोदी ने कहा, सरदार साहब कहते थे कि हम अपने एकजुट उद्यम से ही देश को नई महान ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। अगर हममें एकता नहीं हुई तो हम खुद को नई-नई विपदाओं में फंसा देंगे। यानी राष्ट्रीय एकता है तो ऊंचाई है, विकास है। हमारी आजादी का आंदोलन तो इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आप कल्पना करिए, जब आजादी के आंदोलन से जुड़ी रंगोली बनेगी, लोग अपने द्वार पर, दीवार पर, किसी आजादी के मतवाले का चित्र बनाएंगे, आजादी की किसी घटना को रंगों से दिखाएंगे, तो अमृत महोत्सव का भी रंग और बढ़ जाएगा।

शोपियां में सीआरपीएफ काफिले पर आतंकी हमला, क्रॉस फायरिंग में एक नागरिक की हुई मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जम्मू
जम्मू-कश्मीर के शोपियां में रविवार को आतंकियों ने सीआरपीएफ टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान क्रॉस फायरिंग में एक नागरिक की मौत हो गई। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मारे गए नागरिक की पहचान शाहीद अहमद के तौर पर हुई है, जो खरपोरा नौपोरा अरवानी बिजबिहारा का रहने वाला था। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग में 2 पुलिसकर्मी और 2 जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से जेल में बंद एक आतंकी को दूसरे आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले संभावित मार्गों की पहचान के लिए मुठभेड़ स्थल पर लाया गया था, वह भी गोलीबारी में घायल हो गया। भारतीय नौसेना के ढ्ढहस् रणविजय में आग लग गई। आग बुझाने के दौरान चार नौसैनिक जल गए और उन्हें नौसेना अस्पताल INHS कल्याणी में भर्ती कराया गया है।

आज सुबह ग्वालियर में अम्मा महाराज की छत्री में श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमति वसुंधरा राजे सिंधिया जी, ग्वालियर के सांसद श्री विवेक शेजवलकर जी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

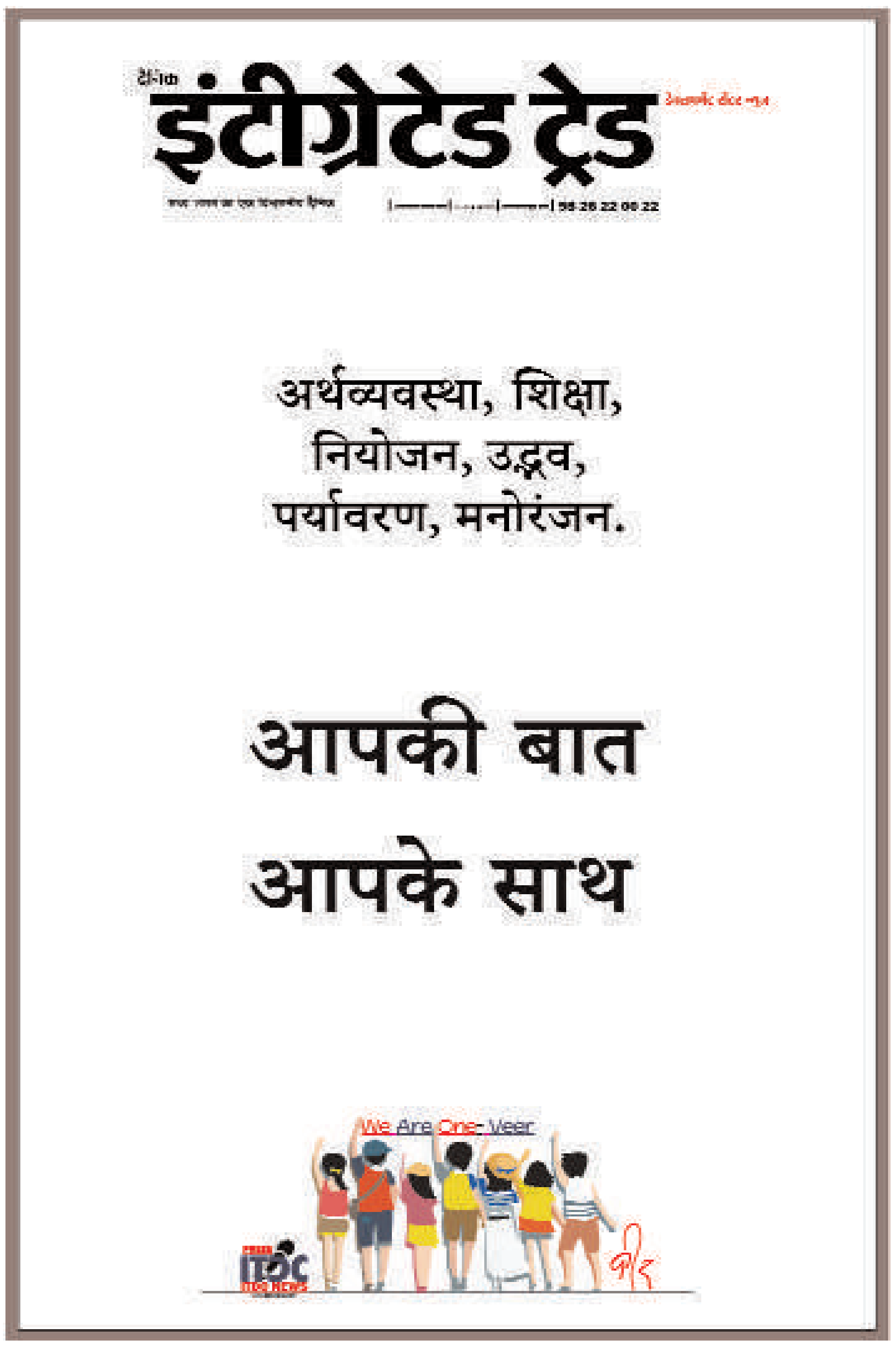

» सीडीएस बिपिन रावत ने किया आगाह

जम्मू-कश्मीर में दिख सकता है तालिबान इफेक्ट चीन के कर्ज के जाल से पड़ोसियों को बचाना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने कहा कि चीन के साथ एलएसी समेत दूसरे मसलों को बातचीत के जरिए सुलझाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संदेह की स्थिति बरकरार है। ऐसे में मुद्दों को हल करने में समय लगता है। गुवाहाटी में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सीडीएस रावत ने कहा कि चीन के साथ सीमा मुद्दे को व्यापक रूप से देखना चाहिए। उत्तर-पूर्व या लद्दाख के मसले को अलग करके न देखें। जनरल रावत ने कहा कि 2020 में हमें थोड़ी समस्या हुई थी। मुद्दों को अब सैन्य स्तर, विदेशी मामलों के स्तर और राजनीतिक स्तर पर होने वाली बातचीत के जरिए हल किया जा रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने सीमा मुद्दों को हल कर लेंगे। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। सीमा विवाद पहले भी रहा है और उन्हें हल करने में सक्षम हैं।

रावत बोले- विवाद को बातचीत से हल करने में समय लगेगा

सीडीएस ने कहा कि सुमदोरोंग चू में भी ऐसा ही हुआ था, इसे हल करने में बहुत लंबा समय लग गया। वास्तव में, इस बार यह 1980 के दशक की तुलना में बहुत तेजी से हल हो रहा है। उन्होंने कहा कि आपको अपने सिस्टम में विश्वास होना चाहिए, विशेष रूप से अपने सशस्त्र बलों पर भरोसा रखना होगा।

पड़ोस में फैली अस्थिरता से निपटने की जरूरत

सीडीएस रावत ने इस बात पर जोर दिया कि देश को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि उसके पड़ोस में फैली अस्थिरता से निपटा जाए। यह हमारी तात्कालिक प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि काबुल में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति की वजह से जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए भी खतरे की आशंका है, लेकिन आंतरिक निगरानी पर काम करके इस खतरे से निपटा जा सकता है।

सीडीएस ने कहा- पड़ोसी देशों के कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

उन्होंने कहा कि चीन हिंद महासागर क्षेत्र के देशों में लोकप्रियता हासिल करने के लिए धन-बल का इस्तेमाल करता है और पड़ोसी देशों के कर्ज के जाल में फंसने का खतरा है। उन्होंने कहा कि भारत को समुद्री पड़ोसियों को समझाना चाहिए कि वह लंबे समय के लिए उनका मित्र है।

रोहिंग्या शरणार्थियों पर कड़ी नजर रखनी होगी:- रावत ने शनिवार को गुवाहाटी में पहला रविकांत सिंह स्मृति व्याख्यान दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि म्यांमार और बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए, क्योंकि कट्टरपंथी तत्वों की ओर से रोहिंग्या शरणार्थियों का बेजा इस्तेमाल किए जाने का खतरा है।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्वयर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख में संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680, 7611127324, 7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रुपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्द्रीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class, pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345, 9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोर्सेज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox'om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

खबर की खबर
दूसरों का घर रौशन करने वाले कुम्हारों के घरों में अंधेरा

प्रकाश पर्व दीपावली के मौके पर दूसरों के घरों को रौशन करने और लक्ष्मी गणेश की प्रतिमा बनाने वाले मिट्टी के पारपंरिक कलाकारों के घर ही अंधेरा है। धन की देवी लक्ष्मी भी उनके दूर हैं। पूरे क्षेत्र में दीपावली की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, जहां लोग घरों का रंग-रोगन करा रहे हैं और संपन्न लोग परिधान, पटाखे और पकवान के लिए खरीदारी कर रहे हैं, वहीं इस समाज के कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो दीपावली में सर्वाधिक महत्वपूर्ण माने जानेवाले

मिट्टी के दीये, खिलौने और भगवान गणेश और लक्ष्मी की छोटी-बड़ी मूर्तियां बनाने में महीनों से लगे हुए हैं, लेकिन सदियों की परंपरा और वंशानुगत पेशे को बाजार और आधुनिकता ने लील लिया है। मिट्टी के दीपक का स्थान बिजली की जगमगाती झालरों ने ले लिया है। मूर्तियां बनाने वाले कुम्हारों के लिए दीपावली मात्र पर्व न होकर जीवन यापन का एक बड़ा जरिया भी है। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि दीपावली के दिन लोग घरों में जिस लक्ष्मी-गणेश की पूजा, लक्ष्मी के आगमन के लिए करते हैं, उसे गढ़ने वालों कुम्हारों से ही माता लक्ष्मी कोसों दूर रहती है। मिट्टी और लकड़ी की अनुपलब्धता की मार दीपावली में घर-घर प्रकाश से जगमगा देनेवाले दीप, कुलिया बनाने वाले कुम्भकारों पर भी भारी पड़ी है।

पूजा आदि के आयोजनों पर प्रसाद वितरण के लिए इस्तेमाल होने वाली मिट्टी की प्याली, कुल्हड़, मिट्टी के खिलौने और सामाजिक समारोहों में पानी के लिए मिट्टी के ग्लास आदि भी अब प्रचलन में नहीं रह गए हैं। इनकी जगह अब प्लास्टिक ने ले ली है। वहीं पारंपरिक दीप की जगह मोमबत्ती और बिजली के फानूस ने ले ली है। इस कारण भी कुंभकारों की जिंदगी में दिन प्रतिदिन अंधेरा फैलता जा रहा है और वे अपनी पुस्तैनी इस कला और व्यवसाय से विमुख हो रहे हैं।

हर सरकार करती है उपेक्षा

कुम्हारों की माली हालत के संबंध में इस पुश्तैनी पेशे को छोड़ चुके तोरपा के रामशीष महतो कहते हैं कि जब तक मिट्टी की इस पारंपतिक कला को सरकारी संरक्षण नहीं मिलता और उन्हें आर्थिक सहायता नहीं मिलती, तब तक इसे को बचाना असंभव है। वह कहते हैं कि मेहनत और लागत के अनुरूप कमाई नहीं होने के कारण कुंभकार अपने खनदानी पेशे से विमुख होते जा रह हैं। तोरपा में ही होटल का व्यवसाय करने वाले कुम्हार रवि महतो कहते हैं कि मिट्टी के दीपों और खिलौनों पर भी आधुनिकता का प्रभाव पड़ा है। इसके कारण अब मिट्टी का व्यवसाय लगभग ठप पड़ गया है। अब शहर में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों की मांग काफी बढ़ गई है। इसकी एक वजह इसकी कम कीमत और बेहतर लुक को माना जाता है। वहीं रामधन महतो कहते हैं कि इन दिनों मिट्टी से लेकर जलावन तक की कीमत काफी बढ़ी हुई है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों की लागत थोड़ी कम पड़ती है और देखने में अधिक आकर्षक होने के कारण ग्राहक उस ओर आकर्षित हो जाते हैं।

YES
NO
BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

भारत की आधुनिक महिलाओं के समक्ष मौजूद समस्याएं

नई दिल्ली। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर का कहना है कि आधुनिक महिलाएं विवाह की इच्छुक नहीं होतीं और अगर वे शादी करना भी चाहती हैं तो बच्चे पैदा नहीं करना चाहतीं और इसके लिए सरोगेसी का विकल्प चुनती हैं। वह नाराजगी के साथ कहते हैं कि यह समाज पर %पश्चिमी प्रभाव% के कारण हुआ है और महिलाओं के सोच में आमूलचूल बदलाव आया है जो ठीक नहीं है। चूंकि मंत्री ये टिप्पणियां विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दिए जाने वाले भाषण के संदर्भ में कर रहे थे इसलिए यह सोशल मीडिया पर शर्मनाक ढंग से फैल गया। उनकी पार्टी इस विचार का समर्थन नहीं करना चाहेगी। क्यों? क्योंकि उत्तर प्रदेश में उनकी ही पार्टी की सरकार ने परिवार नियोजन के नियम पारित किए हैं जिनका लक्ष्य शायद महिलाओं को कम संतानों के साथ ज्यादा %आधुनिक% बनाने का है। प्रधानमंत्री ने बार-बार बालिकाओं को शिक्षित करने और महिलाओं को करियर में आगे बढ़ाने की बात की है। इसलिए उसी दिन अनुमानित स्पष्टीकरण सामने आ गया- उन्होंने कहा कि उनकी बात को संदर्भ से काटकर पेश किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियां यूगव-मिंट-सीपीआर मिलेनियल सर्वे पर आधारित थीं जिसमें दिखाया गया था कि सन 2000 में पैदा होने वालों में से 19 फीसदी युवा शादी या बच्चों में रुचि नहीं रखते जबकि सन 2000 के बाद पैदा होने वालों में इनकी तादाद 23 फीसदी है। उन्होंने कहा कि यह निष्कर्ष लड़कों और लड़कियों दोनों पर लागू होता है। ठीक है लेकिन इन बातों को मानसिक स्वास्थ्य के मसले से कैसे जोड़ा जा सकता है, जबकि उनका भाषण तो इसी विषय पर आधारित था। मंत्री ने यह भी कहा कि वह एक व्यापक बिंदु पर बात कर रहे थे कि भारत के संयुक्त परिवारों की सामूहिकता से तनाव, दबाव और अवसाद आदि से जूझ रहे लोगों को व्यक्तिवादी पश्चिमी समाज की तुलना में अधिक सहारा मिलता है। हालांकि उन्होंने अपनी बात के समर्थन में कोई आंकड़ा नहीं दिया। यह भी स्पष्ट नहीं है कि पुरुषों और महिलाओं का संतान पैदा करने या न करने का चयन मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से कैसे जुड़ा है।

माचिस 14 साल बाद महंगी : एक डिब्बी के लिए 2 रुपए चुकाने होंगे

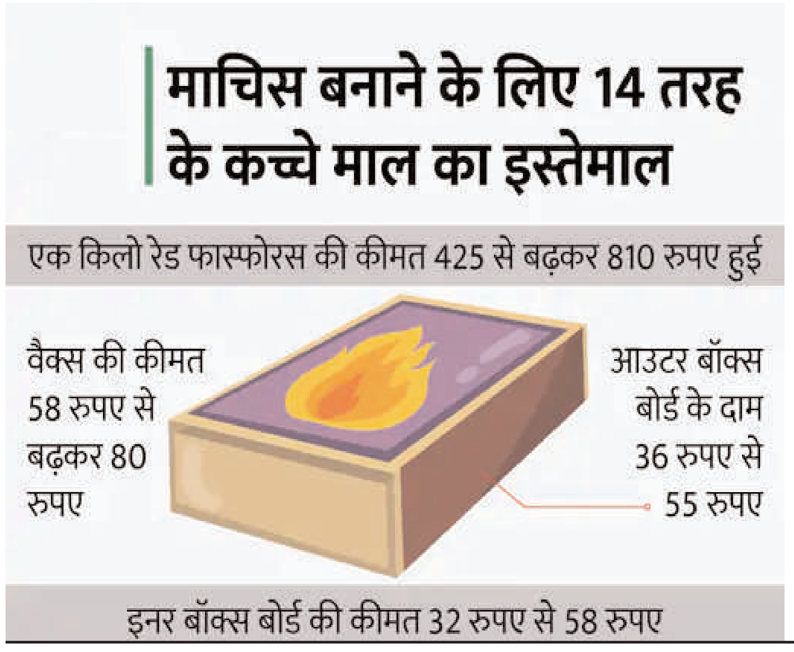

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

माचिस की कीमत 14 साल बाद दोगुनी होने वाली है। एक दिसंबर 2021 से आपको माचिस की एक डिब्बी के लिए 1 रुपए की जगह 2 रुपए खर्च करने होंगे। आखिरी बार 2007 में माचिस के दाम 50 पैसे से बढ़ाकर 1 रुपए किए गए थे। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह माचिस को बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के दामों में बढ़ोतरी है। 5 प्रमुख मैचबॉक्स इंडस्ट्री बॉडी के रिप्रेजेंटेटिव्स ने हाल ही में शिवकाशी में मीटिंग की थी जिसमें माचिस की एमआरपी बढ़ाने का फैसला लिया गया।

कच्चे माल के बढ़े दाम

मैन्युफैक्चरर्स ने बताया कि माचिस बनाने के लिए 14 तरह के कच्चे माल का उपयोग किया जाता है। एक किलो रेड फास्फोरस के दाम 425 रुपए से बढ़कर 810 रुपए हो गए हैं। वैक्स भी 58 रुपए के बजाय अब 80 रुपए में मिलता है। आउटर बॉक्स बोर्ड के दाम 36 रुपए से 55 रुपए और इनर बॉक्स बोर्ड 32 रुपए से 58 रुपए का हो गया है।

10 अक्टूबर से बॉक्स बोर्ड, पेपर, स्प्लिंट्स, पोटेशियम क्लोरेट और सल्फर की कीमतें बढ़ गई हैं। इनके अलावा, फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी ने ट्रांसपोर्ट की लागत को बढ़ा दिया है। इन सभी चीजों ने मैचबॉक्स इंडस्ट्री को दाम बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

4 लाख लोगों को इस इंडस्ट्री से रोजगार

तमिलनाडु में लगभग 4 लाख लोगों को इस इंडस्ट्री से रोजगार मिलता है। इनमें से 3 लाख लोग डायरेक्टली और 1 लाख लोग इनडायरेक्टली इंडस्ट्री से जुड़े हैं। डायरेक्ट इम्प्लॉई में 90 फीसदी से ज्यादा महिलाएं हैं। माचिस बनाने वालों को बॉक्स बनाने की उनकी क्षमता के आधार पर भुगतान किया जाता है। महिलाओं को प्रतिदिन 240 से 280 रुपए और पुरुषों को 300 रुपए से 350 रुपए मिलते हैं। हालांकि कई लोग मनरेगा के तहत काम करने में रुचि दिखा रहे हैं क्योंकि वहां उन्हें इससे ज्यादा भुगतान किया जाता है। ऐसे में इंडस्ट्री को उम्मीद है कि बेहतर भुगतान करके ज्यादा स्टेबल वर्कफोर्स को अट्रैक्ट किया जा सकेगा।

प्रोडक्शन में सबसे आगे तमिलनाडु

देश में सबसे ज्यादा माचिस का प्रोडक्शन तमिलनाडु में होता है। माचिस के मैन्युफैक्चरिंग सेंटर शिवकाशी, विरुधुनगर, गुडियाथम और तिरुनेलवेली में स्थित हैं।

सोने में निवेश : 25 अक्टूबर से सॉवरेन गोल्ड बांड में निवेश करने का मिलेगा मौका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस त्योहारी सीजन में अगर आप सोने में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो सरकार आपके लिए एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम लेकर आई है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 के तहत 25 से 29 अक्टूबर तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा। सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 4,765 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 10 ग्राम सोने के लिए 47,650 रुपए देने होंगे।

अक्टूबर 2021 से मार्च 2022 के बीच चार चरणों में जारी होंगे बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की 2021-22 सीरीज के तहत अक्टूबर 2021 से मार्च 2022 के बीच चार चरणों में बॉन्ड जारी किए जाएंगे। वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 10 चरणों में गोल्ड बॉन्ड लॉन्च किए जाने हैं। इसमें से मई 2021 से लेकर सितंबर 2021 तक छह चरणों में गोल्ड बॉन्ड लॉन्च हो चुके हैं। ये सांतवी सीरीज है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। इसका मूल्य सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे खरीदने के लिए सेबी के अधिकृत ब्रोकर को इश्यू प्राइस का भुगतान करना होता है। बॉन्ड को बेचने के बाद पैसा निवेशक के खाते में जमा हो जाता है।

इश्यू प्राइस पर मिलता है 2.50 फीसदी ब्याज

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50 फीसदी का निश्चित ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने में आपके खाते में पहुंच जाता है। यानी 47,650 रुपए के निवेश पर हर साल 1,204 रुपए और 8 साल में कुल मिलाकर 10,537 रुपए ब्याज के तौर पर मिल जाएंगे। हालांकि, इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश

कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम तक वैल्यू का बॉन्ड खरीद सकता है। हालांकि, किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं:- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

इस पर कितना देना होता है टैक्स

सॉवरेन 8 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80 फीसदी टैक्स लगता है। आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

आईसीआईसीआई बैंक रिजल्ट

सितंबर तिमाही में बैंक का प्रॉफिट 30 फीसदी बढ़कर 5,511 करोड़ रुपए रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। 30 सितंबर 2021 को खत्म तिमाही में आईसीआईसीआई बैंक का नेट प्रॉफिट 30 फीसदी बढ़कर 5511 करोड़ रुपए रहा। इस तिमाही में आईसीआईसीआई बैंक की प्रोविजनिंग 9 फीसदी घटकर 2714 करोड़ रुपए रही। जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में प्रोविजनिंग 2995 करोड़ रुपए थी। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 25 फीसदी बढ़कर 11,690 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान अवधि में यह 9366 करोड़ रुपए था। लोन पर इंटरेस्ट रेट लेने और जमा पर ब्याज के फर्क को नेट इंटरेस्ट इनकम कहा जाता है। आईसीआईसीआई बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़कर 4 फीसदी हो गया है। अप्रैल-जून तिमाही में यह 3.89 फीसदी था। जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 3.57 फीसदी था। साल-दर-साल के हिसाब से सितंबर 2021 तिमाही में बैंक का कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन 23 फीसदी बढ़कर 9518 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा, सितंबर 2021 में नेट एनपीए घटकर 8,161 करोड़ रुपये रह गया, जो जून 2021 में 9,306 करोड़ रुपए था।

दिवाली से पहले एसबीआई का ऑफर

मार्केट रेट से कम कीमत पर खरीदें फ्लैट दुकान और प्लॉट, घर बैठे लगाएं बोली

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक दिवाली से पहले आपको बाजार से कम कीमत में घर, प्लॉट और दुकान खरीदने का मौका दे रहा है। एसबीआई 25 अक्टूबर को गिरवी रखी गई- कमर्शियल और रेजिडेंशियल दोनों संपत्तियों के लिए मेगा ई-ऑक्शन आयोजित कर रहा है। एसबीआई मेगा ई-ऑक्शन के तहत आप भी भाग लेकर इस शानदार ऑफर का फायदा उठा सकते हैं। एसबीआई ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

अपने घर से लगाएं बोली

एसबीआई ने ट्वीट में लिखा कि अपने घर से बोली! ई-ऑक्शन के दौरान हमसे जुड़ें और अपनी सर्वश्रेष्ठ बोली लगाएं। हम सभी डिटेल्स भी शामिल करते हैं और बताते हैं कि क्या यह फ्रीहोल्ड या लीजहोल्ड है। नीलामी के लिए जारी सार्वजनिक नोटिस में अन्य विवरणों सहित इसका मैप, जगह आदि भी बताते हैं। एसबीआई के अनुसार बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्तियों की नीलामी कोर्ट की अनुमति के बाद हो रही है। नीलामी में भाग लेने वालों के सामने हम सभी तरह की जानकारियां पेश करते हैं। ई-ऑक्शन के लिए रखी गई ऐसी संपत्तियों का विवरण विज्ञापन में दिए गए लिंक के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। ब्रांच में नीलामी के लिए नामित व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं। उनसे संभावित खरीदार नीलामी प्रक्रिया और जिस संपत्ति में वह रुचि रखते हैं, उसके बारे में किसी स्पष्टीकरण के लिए संपर्क कर सकते हैं और अपनी पसंद की संपत्तियों का निरीक्षण कर सकते हैं। बैंक लोगों को कर्ज देने के लिए, बैंक के गारंटी के तौर पर उनसे आवासीय संपत्ति या व्यवसायिक संपत्ति गिरवी रखवाता है। अगर लोन लेने वाला व्यक्ति कर्ज नहीं चुका पाता है तो बैंक वसूली के लिए उनकी बंधक संपत्तियों की नीलामी करता है।

गुटबंदी के आरोपों पर कोर्ट का एनटीएन के पक्ष में फैसला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दो बड़ी जापानी बियरिंग कंपनियों एनएसके और जेटीईकेटी द्वारा एनटीएन कॉर्पोरेशन जापान के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज कर दी है। एनटीएन जापान की बियरिंग विनिर्माता कंपनी है। एनएसके और जेटीईकेटी ने आरोप लगाए थे कि उन्होंने जापान में एनटीएन के साथ गुटबंदी की थी, जिससे कि भारत में कुछ कार विनिर्माताओं को ऑटो बियरिंग की आपूर्ति की जा सके। आयोग ने उदारता याची के रूप में एनएसके की ओर से दायर आवेदन के आधार पर आरोपों की जांच की। उदारता नियमन उन लोगों को संरक्षण प्रदान करता है, जो आगे आते हैं और ईमानदारी से सूचनाएं देते हैं। इस याचिका के आधार पर आयोग ने डायरेक्टर जनरल (डीजी) को मामले की जांच का निर्देश दिया। जब यह मामला डीजी के पास लंबित था, उसी समय जेटीईकेटी ने भी उदारता याची के रूप में आवेदन किया। बहरहाल आयोग ने एनटीएन कॉर्पोरेशन के पक्ष में नियम दिए, जिसमें एनएसके और जेटीईकेटी की ओर से दिए गए साक्ष्यों को खारिज कर दिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह दिलचस्प है कि तीन सदस्यों में से दो उदारता याची थे, जिन्होंने गुटबंदी का आरोप लगाया और उसके बावजूद सीआईआई ने पाया कि याची एनटीएन कॉर्पोरेशन की गुटबंदी का साक्ष्य नहीं दे पाए। एनटीएन के वकील वैभव गागर ने कहा इस फैसले से कारोबारी समुदाय का भरोसा बहाल होगा।

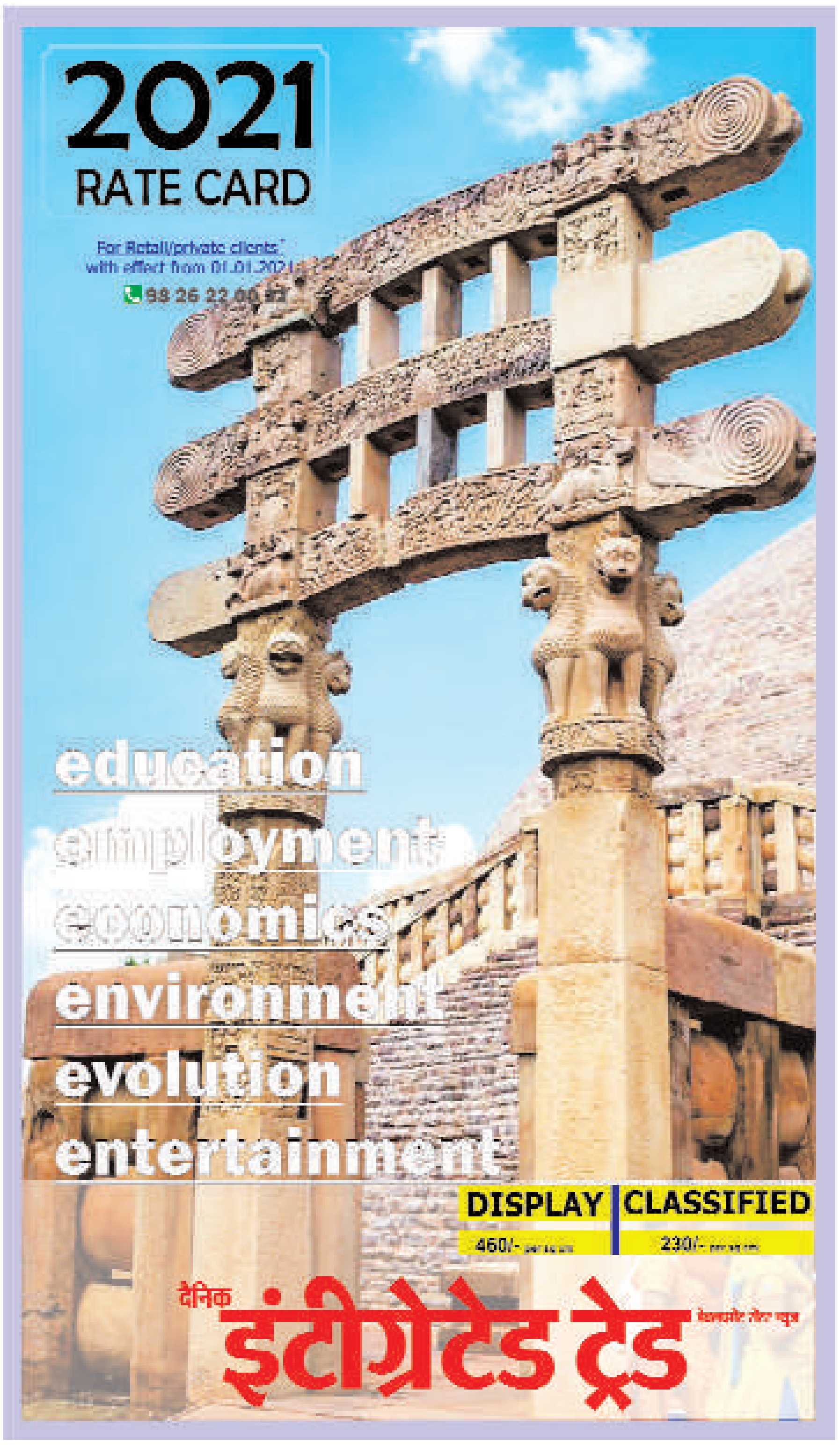

गोरखपुर के पास बसाया जाएगा नया आधुनिक शहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इसी हफ्ते कुशीनगर में उत्तर प्रदेश के तीसरे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के उद्घाटन के बाद अब योगी सरकार यहां एक नया आधुनिक शहर बसाने की तैयारी कर रही है। गोरखपुर से महज 50 किलोमीटर की दूरी पर बसे कुशीनगर के बीच में यह नया शहर बसाया जाएगा।

गोरखपुर एयरपोर्ट से बहुत कम दूरी पर मौजूद कुशीनगर एयरपोर्ट के संचालित होने के बाद इन दोनों शहरों से यात्रियों को एक-दो नहीं बल्कि 17 उड़ानों की सुविधा मिलेगी। गोरखपुर से इन दिनों दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, गोवा, कोलकाता, लखनऊ, प्रयागराज, बेंगलूरु और हैदराबाद शहरों के लिए 14 उड़ानें हो रही हैं। जबकि 26 नवंबर और 18 दिसंबर से कुशीनगर एयरपोर्ट से 3 शहरों दिल्ली, मुंबई और कोलकाता के लिए उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। इस बीच गोररखपुर और कुशीनगर के बीच नया शहर बसाने की योजना भी तैयार कर ली गई है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से तैयार ऐतिहासिक के मुताबिक कुशीनगर में अंतरराट्रीय हवाईअड्डा का लोकार्पण होने के बाद एक नया गोरखपुर बसाया जाएगा। यह शहर सोनबरसा रोड (कुशीनगर मार्ग पर) पर करीब 2,500 एकड़ में बसाया जाएगा। शहर के बीचोबीच मेट्रो सिटी की तर्ज पर एक सिटी सेंटर बसाने की भी योजना है। यहां होटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, स्कूल, ग्रुप हाउसिंग, रिसॉर्ट, बैंक्वेट हाल, आवासीय कालोनी, बिजनेस हाल, पेट्रोल पंप, अस्पताल सब कुछ होगा।

सियासी बाजार में नेता ब्रांड

बिहार के दूरस्थ गांव में एक लोकगीत सुना था, 'मायापुर बजरिया में सब कुछ बिकानी' अर्थात मायापुर बाजार में सब कुछ बिकता है। सामान, आदमी, सत्ता-शक्ति, राजनीति सब कुछ! हम सब एक प्रकार के बाजार में रहते हैं। हमारा माइंड स्पेश ही धीरे-धीरे बाजार में तब्दील होता जा रहा है। यूं तो सभ्यता के विकास के साथ बाजार को विकसित होना ही था, मगर 1990 के बाद उदार अर्थव्यवस्था के शुरू होने के बाद न केवल भारत में, वरन दुनिया के अनेक पश्चिमी-गैर पश्चिमी मूल्यों में, जहां बाजार का विस्तार धीमा था, वहां उसका आक्रामक प्रसार हुआ है। बाजार के इस आक्रामक प्रसार ने न केवल हमारे जीवन को बदला है, बल्कि राजनीति, संस्कृति और हमारे दैनिक जीवन की भाषा को भी बदल दिया है। भारत में बाजार के इतने आक्रामक प्रसार के बावजूद भारतीय जीवन की जड़ें अपनी जमीन में गहरे पैठे होने के कारण यहां परिवर्तनों की गति उतनी तेज नहीं है। भारतीय जनतांत्रिक राजनीति में आज इसी बाजार के असर के कारण राजनीति की भाषा, गोलबंदी की तकनीक, संवाद एवं राजनीति करने के ढंग में परिवर्तन हो रहा है। आज भारतीय राजनीति में पॉलिटिकल मैनेजर, पॉलिटिकल ब्रांड जैसे शब्दों का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। शायद यह माना जाने लगा है कि हमारा मतदाता भी उपभोक्ता है, उसे लक्ष्य कर अपनी राजनीति एवं अपने नेता को एक 'ब्रांड' में तब्दील करना होगा। इसके लिए आजकल राजनीतिक दल चुनावी रणनीति एवं प्रचार-प्रसार के लिए पेशेवर कंपनियों का सहारा लेने लगे हैं। अपने ब्रांड को दूसरों से बेहतर बताने के लिए रणनीति बनाने वाले, सर्वेक्षण करने वाले एवं नारे बनाने वाले हमारी राजनीति में वैसे ही इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जैसे बाजार में अपने उत्पाद को लोकप्रिय बनाने के लिए उत्पादक, विक्रेता एवं कॉरपोरेट कंपनियां करती हैं। इसमें प्रबंधक, विज्ञापन गुरु, कंटेंट राइटर मिलकर काम करते हैं। सबका लक्ष्य होता है, जिस राजनीतिक दल के साथ वे काम कर रहे हैं, उसके ब्रांड को अन्य ब्रांड से बेहतर सिद्ध करें। अनेक सोशल साइट्स में अपने-अपने पॉलिटिकल ब्रांड के लिए लोकप्रिय कंटेंट बनवाने, उसके लिए 'लाइक' प्राप्त करने में आज राजनीतिक शक्तियां अच्छा-खासा निवेश करने लगी हैं।

आज की राजनीति में परदे के पीछे काम करने वाले ये 'मस्तिष्क' या 'थिंक टैंक' वैसे ही सोचते हैं, जैसे कॉरपोरेट कंपनियों के सामान बेचने के लिए बाजारगत रणनीति बनाने के लिए सोचा जाता है। इनमें से कई ग्रुप तो ऐसे मिलेंगे, जो एक ही साथ उत्पाद बेचने एवं राजनीतिक दलों के ब्रांड को चुनावों में लोकप्रिय बनाने के काम में लगे होते हैं। इनमें बैंकर्स, मैनेजमेंट विशेषज्ञ, सोशल साइट के लिए कंटेंट तैयार करने वाले, सभी साथ मिलकर काम करते मिलेंगे। अतः सोशल साइट्स पर जो आपको दिखता है, उसे जनता की सहज निर्दोष प्रतिक्रिया मान लेना हमारी बड़ी भूल होगी।

भारत में 'पॉलिटिकल ब्रांड' निर्माण की प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भिन्न है, किंतु चुनाव प्रबंधन में लगे ये 'प्रोफेशनल ग्रुप' कई बार पश्चिमी देशों में राजनीति के ब्रांड मेकिंग की प्रक्रिया को दोहराने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की तरह मीडिया पर आक्रामक रहने का सुझाव देने लगते हैं और ओबामा की तरह के नारे गढ़ने व गढ़वाने लगते हैं। फलतः वे कई बार अपने मकसद में चूक जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय समाज में बाजार के विस्तार के बावजूद जनता का उपभोक्ता समूह में रूपांतरण की प्रक्रिया धीमी है। किसी भी ब्रांड को अपनी विशिष्टता, विभिन्नता एवं प्रामाणिकता साबित करनी होती है। भारत में पॉलिटिकल ब्रांड के उभार की प्रक्रिया में प्रामाणिकता उस नेता को मिलती है, जिसका जुड़ाव उस राजनीतिक दल के साथ होता है, जिसकी जनता में अच्छी छवि होती है या जो किसी राजनीतिक परिवार से जुड़ा होता है। यह ठीक है कि 'परफॉरमेंस', 'डेलिवरी' जैसे शब्द आज शासन विमर्श या राजनीति में खूब उपयोग में लाए जा रहे हैं, किंतु भारतीय जनता अभी भी लगाव, संवेदना विकसित करने के पारंपरिक उपादानों से ही अपने काम चलाती है।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव शीघ्र होने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस चुनाव में कई पॉलिटिकल ब्रांड आपस में टकराएंगे। एक तरफ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सशक्त ब्रांड है, जिसमें 'हिंदुत्व' का विचार उनके लिए जनता के एक बड़े वर्ग से सहज ही संबंध रच देता है। उत्तर प्रदेश के गांवों में घूमते हुए हमने कई बार सुना है कि 'योगी-मोदी' एक हैं। योगी के ब्रांड को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि भी प्रभावी बनाती रहती है। उनके ब्रांड को इस चुनाव में भाजपा एक दृढ़ प्रशासक की छवि के रूप में प्रचारित करना चाहती है, जिसने लोगों के जीवन में अपराधियों की मौजूदगी को खत्म किया। सरकारी योजनाओं को नीचे तक पहुंचाने, विधि एवं शासन को प्रभावी बनाने वाले नेता के रूप में उनके ब्रांड को प्रचारित करने में लगा समूह विपक्ष के प्रतिघातों के असर को कम करना चाहता है।

संपादकीय

त्रासदी और राजनीति का रिश्ता

साल 2012 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों के ठीक बाद 'हिन्दुस्तान' ने एक अभियान चलाया था- राजनीति खत्म, काम शुरू। मकसद यह था कि हम चुने हुए जन-प्रतिनिधियों को याद दिलाते रहें कि आप मतदाताओं से कुछ वायदे करके विधानसभा की चौहद्दियों में पहुंचे हैं, अब उन्हें पूरा करने की बारी है।

लगभग 10 साल पुराना यह अभियान पिछले दिनों रह-रहकर मेरे जेहन में कौंधता रहा। वजह था, लखीमपुर खीरी कांड। उन दिनों चीखने को मन करता- आदमी खत्म, राजनीति शुरू। हमारे राजनेता अक्सर त्रासदियों में अवसर तलाशते हैं और काम निकल जाने के बाद सुविधानुसार उन्हें बिसरा देते हैं। क्या ऐसे हंगामों से किसी दल या शख्सियत को लाभ मिलता है?

पहले कांग्रेस और प्रियंका गांधी की बात। प्रियंका गांधी वाड्रा पहली बड़ी प्रतिपक्षी नेता थीं, जिन्होंने खबर मिलते ही खीरी की ओर प्रस्थान किया। रास्ते में सीतापुर में पुलिस ने उन्हें रोका और वहां स्थित उत्तर प्रदेश 'प्रोविंशियल आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी' (पीएसी) के अतिथि-गृह में नजरबंद कर दिया। वहीं से उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह अपने गेस्ट हाउस में झाड़ू लगा रही थीं। यह झाड़ू अति सुरक्षित माने जाने वाले उनके कक्ष में कैसे, क्यों और किसके द्वारा पहुंची? जो लोग पीएसी की अंदरूनी व्यवस्था से परिचित हैं, वे जानते हैं कि वहां समूचे परिसर को साफ-सुथरा और सुसज्जित रखने के लिए बाकायदा प्रशिक्षित लोगों का एक दस्ता होता है। ऐसे में, प्रियंका गांधी को झाड़ू लगाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या उनका कक्ष जान-बूझकर गंदा छोड़ दिया गया था? जब उन्होंने झाड़ू की गुजारिश की, तब क्या संबंधित अधिकारियों ने सफाईकर्मियों को वहां भेजने के बजाय सिर्फ झाड़ू भेज दी? यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हीं दिनों आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जान-बूझकर ऐसा कर रही है, ताकि विपक्ष के वोटों में बंटवारा हो सके। अखिलेश यादव ने भी लखीमपुर कूच की कोशिश की थी, पर प्रदेश पुलिस ने उन्हें घर से निकलने तक नहीं दिया।

सियासी खिलाड़ियों द्वारा उठाए जा रहे इन सवालों को अगर दरकिनार करके देखें, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रियंका गांधी इससे पहले हाथरस जाने की कोशिश में नोएडा की सीमा पर रोकी गई थीं। उसी जद्दोजहद के बीच एक फोटो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक वर्दीधारी का बेंत पकड़े खड़ी हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि ऐसा उन्होंने एक कार्यकर्ता को पिटाई से बचाने के लिए किया था। क्या उनकी ऐसी यात्राएं और वायरल वीडियो कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार लौटा पाएंगे? उनके समर्थकों को तो यही लगता है। इस बार 3 अक्तूबर की रात को जब वह रोकी गईं, तब उत्साही कार्यकर्ताओं ने इसकी तुलना उनकी दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी की बेलछी यात्रा से कर डाली। प्रियंका के प्रशंसकों का कहना है कि यह लम्हा कांग्रेस के लिए 'बेलछी मोमेंट' साबित होने जा रहा है। क्या वाकई?

इसके लिए 1977 और आज की कांग्रेस की तुलना करनी पड़ेगी। तब से अब तक गंगा और यमुना में अरबों लीटर पानी बह चुका है और हालात भी बदल गए हैं। उन दिनों कांग्रेस भले सत्ता में नहीं थी, पर उसका जनाधार कायम था। इंदिरा गांधी बुजुर्गों की उस फौज से लड़ रही थीं, जो तथाकथित सिद्धांतों के प्रति अति आग्रही और अपने अंतरविरोधों के प्रति बेपरवाह थे। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री तो बन गए थे, पर वह खिचड़ी गठबंधन के नेता थे। इन सभी दलों के सिद्धांत और स्वार्थ अलग थे। इसका फायदा इंदिरा गांधी ने उठाया। चौधरी चरण सिंह की महत्वाकांक्षाओं को हवा दी और उन्हें प्रधानमंत्री की कुरसी तक पहुंचा दिया, पर उन्हें सत्ता-सदन से बहुत जल्द विदा होना पड़ा। जिन इंदिरा गांधी ने उन्हें यहां तक पहुंचाया, उन्होंने उनके नीचे से कुरसी खींच ली थी।

आज प्रियंका और उनके भाई राहुल गांधी मुल्क के पैमाने पर जिस भारतीय जनता पार्टी से लड़ रहे हैं, उसके पास नरेंद्र मोदी हैं, जिनकी चुनावी लोकप्रियता उस वक्त की इंदिरा गांधी से कम नहीं है। भगवा दल का शुमार संसार के सबसे बड़े सियासी संगठन के तौर पर होता है। इसके बरक्स कांग्रेस का जनाधार एक अपवाद को छोड़कर 1989 से लगातार सिकुड़ रहा है। बेलछी ने एक सशक्त पार्टी की जबरदस्त नेता को सत्ता में लौटने का मौका मुहैया कराया था। हाथरस और लखीमपुर के हादसे मिलकर अगर उसका दसवां हिस्सा भी कांग्रेस को मुहैया करा दें, तो बड़ी बात होगी।

यही नहीं, 1977 में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे दल नहीं थे। उनकी सामाजिक पकड़ बहुत मजबूत है। यही वजह है कि वे बारी-बारी से अल्पसंख्यकों और अन्य जातियों के मतदाताओं को लुभाने में कामयाब होते रहे हैं। कांग्रेस के पास फिलहाल उत्तर प्रदेश में ऐसा कोई आधार नहीं है। यह आधार बन सकता था, यदि प्रियंका दिल्ली के बजाय उत्तर प्रदेश के किसी शहर में पांच साल के लिए बसेरा डाल देतीं। वह लौट जाने के लिए यहां आती हैं। इसी से भाजपा को यह कहने का मौका मिलता है कि वह 'राजनीतिक पर्यटक' हैं। कांग्रेस के खैरख्वाहों का मानना है कि अगर उन्होंने प्रयागराज (इलाहाबाद) के स्वराज भवन में डेरा जमाया होता, तो शायद पार्टी की स्थिति कुछ और होती, मगर जब चुनाव सिर पर हों, तब संगठन के बजाय सियासी लहर पैदा करने की कोशिश की जाती है। प्रियंका उत्तर प्रदेश में यही कर रही हैं।

अब समाजवादी पार्टी की चर्चा। इसके सुप्रीमो अखिलेश यादव ने लखीमपुर के लहू-स्नान के दूसरे हफ्ते से ही विजय-यात्रा शुरू कर दी। इसके तहत वह प्रदेश के सभी जरूरी हिस्सों में जाकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश करेंगे। सभाओं में जुटती भीड़ उनका मनोबल बढ़ाने के लिए काफी है। जयंत चौधरी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकदल से उनके सियासी गठबंधन के चर्चे जोरों पर हैं। अगर अखिलेश यादव और जयंत चौधरी सही सियासी जुगलबंदी करते हैं, तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यकीनन वे भाजपा को कड़ी टक्कर देने में कामयाब होंगे। सपा, रालोद तथा अन्य नितांत इलाकाई दलों का अखिलेश की अगुवाई में उभर रहा राजनीतिक रसायन क्या भाजपा को बेदखल कर पाएगा? असदुद्दीन ओवैसी और मायावती उनकी इस राह में बाधा बनते नजर आते हैं। मायावती को नेपथ्य में जाकर अचानक उभर आने में महारत हासिल है। लेकिन इनके सामने प्रखर राष्ट्रवादी और विधि-व्यवस्था पसंद मुख्यमंत्री की छवि के साथ योगी आदित्यनाथ हैं। ऐसे में, क्या सूरत-ए-हाल बनती दिख रही है, इस पर फिर कभी चर्चा। पहले सियासी शतरंज पर सभी मोहरों को अपनी-अपनी जगह जमा हो जाने दीजिए।

कठिन सफर का सुखद पड़ाव

आठ महीने पहले तक खुद सरकारी मशीनरी संशय के दिन-रात जी रही थी कि हम टीकाकरण के इस महाभियान को निर्णायक मुकाम तक कैसे ले जाएंगे? पहला सवाल तो यही था कि भारत 130 करोड़ आबादी का विशाल देश है, इतने लोगों के लिए टीके आएंगे कहां से? धनी-मानी देशों ने अपने एकाधिकार का उपयोग करके सबसे पहले अपने देशवासियों के लिए टीके आरक्षित कर लिए थे। ये वे लोग हैं, जो कल तक 'ग्लोबल-विलेज' का नारा लगाया करते थे। विकासशील देशों में मौजूद सस्ते श्रम और कच्चे माल पर कब्जा करने के लिए लगाए जाने वाले इस नारे की कलई खुल चुकी थी। ऐसा लगता था, जैसे इंसानियत एक अनाम मोड़ पर आकर ठिठक गई है।

यह उन दिनों की बात है, जब दुनिया दो वैश्विक आफतों से एक साथ जूझ रही थी- स्पेनिश फ्लू और प्रथम विश्व युद्ध। हम हिन्दुस्तानियों की बिना मरजी के हमारे नौजवान यूरोप और अफ्रीका के तमाम मोर्चों पर अग्रिम पंक्तियों में धकेल दिए गए थे। कई मोर्चे ऐसे थे, जहां हुकूमत-ए-बरतानिया सिर्फ हिन्दुस्तानियों की हिम्मत की वजह से जीत रही थी। देश में हम बाहर से आए स्पेनिश फ्लू से मर रहे थे और परदेश में हमारे नौजवान विदेशी हुक्मरानों के लिए जान की बाजी लगा रहे थे। उन्हीं दिनों न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा था- 'भारत जो कुछ चाहता है, दुनिया को उसे पूरा करना चाहिए, क्योंकि भारतीयों के बिना युद्ध जीतना मुश्किल है।'

विनाशकारी जंगखत्म होने के बाद क्या भारत को वह मिला, जो करोड़ों भारतीय चाहते थे, आजादी? ऐसा नहीं हुआ, उल्टे अंग्रेजों ने अपना दमन-चक्र बढ़ा दिया। क्यों? शायद इसलिए कि हम हिन्दुस्तानी गर्व के क्षणों में भी अपने लिए आशंकाओं की कब्रगाहें खोद लेते हैं। तब से अब तक समूची शताब्दी बीत गई, पर हमारी यह आत्मघाती आदत खत्म होने का नाम नहीं ले रही। पिछले हफ्ते भारत ने 100 करोड़ टीकों का सुरक्षा कवच हासिल किया, पर क्या हम इस उपलब्धि से और बेहतरी की प्रेरणा ग्रहण कर रहे हैं? हम क्यों भूल गए हैं कि यह सफर कितना दुरूह था! आठ महीने पहले तक खुद सरकारी मशीनरी संशय के दिन-रात जी रही थी कि हम टीकाकरण के इस महाभियान को निर्णायक मुकाम तक कैसे ले जाएंगे? पहला सवाल तो यही था कि भारत 130 करोड़ आबादी का विशाल देश है, इतने लोगों के लिए टीके आएंगे कहां से? धनी-मानी देशों ने अपने एकाधिकार का उपयोग करके सबसे पहले अपने देशवासियों के लिए टीके आरक्षित कर लिए थे। ये वे लोग हैं, जो कल तक 'ग्लोबल-विलेज' का नारा लगाया करते थे। विकासशील देशों में मौजूद सस्ते श्रम और कच्चे माल पर कब्जा करने के लिए लगाए जाने वाले इस नारे की कलई खुल चुकी थी। ऐसा लगता था, जैसे इंसानियत एक अनाम मोड़ पर आकर ठिठक गई है। आगे की राह अबूझ थी। ऐसे में, जब प्रधानमंत्री हैदराबाद और पुणे की फार्मा कंपनियों में पहुंचकर टीका-निर्माण की गति की समीक्षा करते दिखाई पड़े, तब महामारी की मार से त्रस्त देश में सियासी कीचड़ की नई वर्षा शुरू हो गई। आरोप लगाने वाले बिसरा बैठे थे कि शुरुआत में असंभव लगने वाली यात्राओं के लिए भी पहला कदम तो उठाना ही पड़ता है। टीका निर्माण की प्रक्रिया के बाद इसे एक निश्चित तापक्रम में हजारों किलोमीटर तक पहुंचाना, सहेजना और उपयोग करना नामुमकिन लगता था। हम अद्भुत भौगोलिक विषमताओं का देश हैं। कहीं बारहों महीने बर्फ से ढकी चोटियों के बीच बसे गांव हैं, तो कहीं चिलचिलाती मरुभूमि। कहीं छोटे द्वीप हैं, तो कुछ बस्तियों तक पहुंचने में नाव से दुरूह यात्रा करनी पड़ती है। उसी दौरान जानलेवा गरमी और बरसात का मौसम भी आया, पर हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने हर तरह की दुश्वारियों से लोहा लेते हुए यह कर दिखाया। मैं खुद उन दिनों कुछ पहाड़ी और मैदानी गांवों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जमीनी हालात देखने पहुंचा था। उत्तर प्रदेश के एक गांव में तो उस समय धूल भरा अंधड़ चल रहा था। बिजली भी नहीं थी। वहां दो स्वास्थ्यकर्मी बर्फ के टुकड़ों से भरपूर 'आइस-बकेट' में टीके संभालते दिखे थे। मैंने उनसे पूछा था कि इतनी कोशिश के बावजूद क्या टीके सुरक्षित रह पा रहे हैं? उनका जवाब था कि शत-प्रतिशत। हम 'कोल्ड चेन' को बनाने और बचाने में कामयाब रहे हैं। इसी दौरान महाघातक दूसरी लहर ने हमारे दरों पर दस्तक दी थी। हमारे स्वास्थ्यकर्मियों ने तब भी हिम्मत नहीं हारी। वे कोरोना का शिकार होने के बावजूद डटे रहे। संकट के इन विकट क्षणों में हम हिन्दुस्तानियों में न जाने कहां से एक अनूठा जज्बा पैदा हो जाता है! यही नहीं, इस दौरान अफवाह नवीसों ने अविश्वास फैलाने की हर चंद कोशिश की, पर वे नाकामयाब रहे। हमारे देश में जहां पोलियो की दो बूंद हर बच्चे को पिलाने के लिए बरसों तक जद्दोजहद होती रही, वहां कोरोना के टीके को लेकर कोई बड़ा प्रतिरोध नहीं दिखाई पड़ा। क्या हम तरक्कीपसंद हो रहे हैं या इस महामारी ने हमें क्षणिक समझदारी प्रदान कर दी थी? इन तथ्यों पर नजर डाल देखें, नजर का धुंधलका साफ हो जाएगा। रूस जैसा देश इस मामले में फिसड्डी साबित हो रहा है। वहां सरकार के दावों और दबाव के बावजूद अभी तक लगभग 34 फीसदी लोगों ने ही टीका लगवाया है। इसी तरह, तरक्की के पर्याय अमेरिका के 'बाइबल स्टेट' कहे जाने वाले दस प्रांतों में अधिकतर में टीकाकरण का औसत अन्य राज्यों के मुकाबले बदतर है। रूस में नेतृत्व के प्रति अविश्वास और अमेरिका में धार्मिक अंधविश्वास राह का रोड़ा साबित हो रहे हैं। यहां यह भी ध्यान देना जरूरी है कि जब महामारी हम पर टूटी, तब तक इसका टीका तो दूर, संक्रमण का पता लगाने के लिए उंगली के पोरों के बराबर प्रयोगशालाएं उपलब्ध थीं। स्वास्थ्य प्रदेश सरकार का विषय है। ऐसे में, अगर नई दिल्ली की हुकूमत के हाथ में जादू की छड़ी भी आ जाती, तब भी वह तुरत-फुरत कुछ नहीं कर पाती। भारत राजनीतिक विद्वेषों का देश है। तमाम प्रदेश ऐसे थे, जहां विपक्षी दलों द्वारा संचालित सरकारें थीं। उनसे तारतम्य बैठाना मुश्किल था। राजनीतिज्ञों के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह होती है कि वे एक बार में अधिक से अधिक पांच बरस के लिए सत्ता में आते हैं, इसीलिए वे अक्सर आरोप-प्रत्यारोप के दलदल में फंस जाते हैं। नई दिल्ली की केंद्रीय हुकूमत ने इस दीवार को तोड़ने की जी तोड़ कोशिश की। कई मुख्यमंत्री ऐसे थे, जिनसे खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने बार-बार बात की। यही वजह है कि यह तेरी-मेरी नहीं, बल्कि सबकी लड़ाई बन सकी और हम इस मुकाम तक पहुंच सके। भारत जैसे देश में दिक्कतें जब आती हैं, तो वे अकेली नहीं होतीं। इसी दौरान चीन ने सीमाओं पर अशांति पैदा कर दी, जिसकी वजह से नई दिल्ली का ध्यान बंटना स्वाभाविक था। 15 जून को हुआ गलवान का हादसा, जिसमें हमारे 20 जांबाजों को प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी, पहली लहर के बीच हुआ था। जब सारे साधन कोरोना में झोंके जा रहे हों, तब यह निश्चित तौर पर एक बड़ा आघात था, लेकिन भारत ने यहां भी पलकें नहीं झपकाईं। आप चाहें तो यहां पहले विश्व युद्ध और स्पेनिश फ्लू के साझा आक्रमण के साथ न्यूयॉर्क टाइम्स की टिप्पणी और उसके बाद की घटनाओं को याद कर सकते हैं। इस शुरुआती, पर शानदार सफलता के बावजूद हमें भूलना नहीं चाहिए कि 100 करोड़ टीकों के सुरक्षा कवच के बाद भी लड़ाई अभी जारी है। प्रधानमंत्री ने सही चेताया है कि कोरोना अभी गया नहीं है और तीसरी लहर का खतरा बना हुआ है। महामारी के बाद के दुष्परिणामों से उपजी आर्थिक मंदी ने लोगों की कमर तोड़ दी है। कोरोना से लड़ाई में हमने जो सामूहिकता प्रदर्शित की है, उसका असली इम्तिहान अभी शेष है।

मुलाजिम से मालिक बनने की कश्मीरी दास्तां

उनके बहकने के सारे हालात वहां मौजूद थे। गुरबत थी, बेकारी थी, पड़ोसी मुल्क के गुमराह करने वाले एजेंट थे, मजहबी बातों की गलत तर्जुमानी करने वाले मौलवी थे, और बहुत आसानी से पैसे कमाने के लिए 'पत्थरबाज' बनाने वाला रास्ता भी, पर शेख आसिफ ने अपने मुल्क और ईमान से वफा करने का रास्ता चुना। कश्मीर घाटी के बाटमालू में 29 अगस्त, 1993 को एक कांस्टेबल के घर में आसिफ पैदा हुए। पिता की तनख्वाह ही परिवार के गुजर-बसर का इकलौता आधार थी। किसी तरह महीने निकलते थे। लेकिन वालिद जानते थे कि बेहतर तालीम के बगैर बेटे का भविष्य संवर नहीं पाएगा, इसलिए अपनी जरूरतों से समझौता करके उन्होंने आसिफ का दाखिला श्रीनगर के एक अच्छे स्कूल में कराया। आसिफ शुरू से एक जहीन विद्यार्थी रहे। छोटी उम्र में ही कंप्यूटर के प्रति उनमें जबर्दस्त आकर्षण पैदा हो गया था। एक दिन टीवी पर बिल गेट्स का इंटरव्यू आ रहा था। इस इंटरव्यू के दौरान बिल अपने विभिन्न उत्पादों की खूबियां बता रहे थे, इसी बीच उनके दफ्तर के फुटेज भी दिखाए गए। उस इंटरव्यू ने आसिफ को गहरे प्रभावित किया। हर लम्हा बस कंप्यूटर की बातें दिमाग में घूमती रहतीं।

बालमन में कंप्यूटर की जिद पलने लगी थी। अब वह क्या जानता था कि परिवार की माली हालत इसकी इजाजत नहीं देती। उन्हीं दिनों आसिफ को कोई वैक्सीन लगने वाली थी, उन्होंने हठ पकड़ लिया कि पहले कंप्यूटर दिलाओ, फिर टीके लगवाऊंगा। आखिरकार अम्मी ने कैलकुलेटर देकर बहलाया कि बच्चों को शुरू-शुरू में इसी 'छोटे कंप्यूटर' पर प्रैक्टिस करनी पड़ती है, फिर उन्हें बड़ा कंप्यूटर चलाने दिया जाता है। लेकिन आसिफ के मन में तो कंप्यूटर अटक चुका था। वह स्कूल में दूसरी कक्षाओं केकंप्यूटर प्रैक्टिकल में जाते थे। इस तरह, उससे लगाव गहराता गया। मगर जब वह आठवीं जमात में थे, उनके पिता बुरी तरह बीमार पड़ गए। थोड़ी-बहुत जो भी जमा-पूंजी थी, वह इलाज व रोजमर्रा की जरूरतों में खर्च होती गई। घर चलाना दुश्वार होने लगा था। फिर वह दिन भी आया, जब आसिफ की कलम-कॉपी के लिए अम्मी को घर के तांबे के बर्तन बेचने पड़े।

किशोर मन को यह जानकर गहरा आघात लगा। मजबूरी में स्कूल छोड़ना पड़ा। और कोई विकल्प नहीं था। उस समय आसिफ महज 16 साल के थे। वह काम तलाशने लगे। आखिरकार टूरिज्म से जुड़े एक स्थानीय संस्थान में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी मिली। आसिफ के लिए खुशी की बात यह थी कि उन्हें कंप्यूटर पर काम करना था। घाटी में कंप्यूटर की आमद तो पहले ही हो चुकी थी, मगर निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं थी। आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर वहां कई तरह की पाबंदियां आयद थीं, उनमें इंटरनेट पर रोक भी शामिल थी। दहशतगर्दी का खामियाजा आम शहरियों को किस कदर भुगतना पड़ता है, इसका अंदाज सिर्फ इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि जब पूरा देश 4जी की सेवाओं का लाभ उठा रहा था, तब घाटी में 2जी सेवाएं ही उपलब्ध थीं।

आसिफ की तनख्वाह 1,500 रुपये तय हुई। किसी सूरत घर की कुछ मदद हो, यह ख्याल उन्हें हमेशा परेशान करने लगा था। जाहिर है, स्कूल छूट चुका था, तो उसके साथ अच्छी नौकरी की संभावनाएं भी खत्म हो गई थीं। बस एक ही रास्ता था- अपना कारोबार। उसके लिए पूंजी की दरकार थी। आसिफ ने कई तरह के काम किए। मेडिकल उपकरण बेचने से लेकर एयरटेल, वोडाफोन, एयरसेल में नौकरी करने तक वह खूब मेहनत करते रहे। इस क्रम में कंप्यूटर से जुड़ी तमाम संभावनाओं में खुद को मांजते भी रहे।

साल 2014 में आसिफ ने सब कुछ छोड़कर अपना काम शुरू किया, लेकिन उसी साल सितंबर में आई भयानक बाढ़ में उनका सब कुछ बह गया। अचानक आई उस बाढ़ ने घाटी में भारी तबाही मचाई थी। आसिफ के घर में भी काफी टूट-फूट मची थी। एक बार फिर वह उसी मोड़ पर पहुंच गए थे, जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। लेकिन संघर्षों ने उन्हें अब तक इतना मजबूत कर दिया था कि वह इस नुकसान से हताश नहीं हुए और इसे एक चुनौती के रूप में लिया। जो कुछ बचत थी, उससे उन्होंने घर की मरम्मत कराई और नई संभावनाएं तलाशने साल 2015 में दिल्ली आए। दिल्ली में उन्हें अवसरों का क्षितिज दिखा। उनके हौसले को नई उड़ान मिली और साल 2016 में एक प्रोजेक्ट के तहत आसिफ लंदन पहुंच गए। वहां पहला काम एक वेबसाइट डिजाइन करने का मिला। शर्त यह थी कि भुगतान उसी स्थिति में होगा, जब काम पसंद आएगा। जाहिर है, आसिफ कामयाब हुए। अगले काम के लिए तो उन्हें सात लाख रुपये का मेहनताना मिला। एक गैराज के डिजाइन का काम था।

आसिफ की गाड़ी चल निकली। उसी साल उन्होंने 'टेम्स इन्फोटेक' नाम से अपनी वेब डिजाइन कंपनी शुरू की। ब्रिटेन और श्रीनगर में इसके दो दफ्तर हैं, जिनमें दर्जनों लोग काम करते हैं। महामारी से पहले इनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर ढाई करोड़ रुपये था। आसिफ ने 900 छात्रों और 40 कारोबारियों को मुफ्त में डिजिटल साक्षर बनाया है। ऐसे कश्मीरी नौजवान ही कश्मीरियत के मस्तूल हैं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

मेकअप के दौरान आंखों से आता है पानी? इन टिप्स को करें फॉलो

अगर आई मेकअप के दौरान आपकी आंखों से भी आंसू आते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

मेकअप आपको खूबसूरत दिखने में मदद करता है। इसकी मदद से खूबसूरती को और ज्यादा संवारा जा सकता है। हालांकि कुछ महिलाओं को मेकअप के दौरान कई परेशानियां होती है, जैसे कई लोगों की आंखों से पानी आता है। अगर आई मेकअप के दौरान आपकी आंखों से भी आंसू आते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

मेकअप ब्रश को साफ रखें

मेकअप ब्रश को इस्तेमाल करने के बाद उसे यू ही न रखें, इसे अच्छे से साफ करें । ब्रश को आप शैंपू से साफ करें। इसके लिए आप बेबी शैंपू का इस्तेमाल कर सकती हैं। खराब ब्रश से बार-बार मेकअप करने से भी आंखों से पानी आता है।

मेकअप प्राइमर का करें इस्तेमाल

फेस पर मेकअप करने से पहले चेहरे को अच्छे से वॉश करें और फिर प्राइमर का इस्तेमाल करें। इसकी मदद से आंखे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से बची रहती हैं।

लोअर लैश पर न लगाएं

अक्सर महिलाएं जब लोअर लैश पर लाइनर लगाती हैं, तब आंखों से पानी आता है। ऐसे में आप लोअर लैश पर लाइनर लगाने से बचें। इसके लिए आप काजल का इस्तेमाल करें।

ऊपर की तरफ फूंक

अगर आंखों से पानी आना शुरू हो रहा है तो आप इस हैक को अपना सकती हैं। जब पानी आए तो आप ऊपर की तरफ देखते हुए फूंक मारे। ये हैक आपके काम आ सकती है।

चेहरे की पॉजिशन

मेकअप के दौरान हर चीज का महत्तव है। अगर आप आंखों का मेकअप कर रहे हैं तो अपनी आंख ज्यादा ब्लिंक होती हैं। ऐसे में पानी आने के चांस होते हैं। अगर आपके साथ ऐसा होता है तो आप चेहरे को थोड़ा उठाकर मेकअप करें। ऐसा करने से आंखें कम ब्लिंक करती हैं।

विटामिन-सी के ज्यादा सेवन से क्या पीरियड्स जल्दी आते हैं?

विटामिन-सी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। स्किन पर नेचुरल ग्लो देने के अलावा इससे हमारी इम्यूनिटी भी बढ़ती है। वहीं, आंखों की रोशनी कमजोर होने पर भी अपनी डाइट में विटामिन-सी मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जाती है। महामारी की शुरुआत के बाद से विटामिन-सी का सेवन काफी ज्यादा किया जाने लगा है। विटामिन-सी के कई फायदे होने के बाद भी अक्सर मन में सवाल आता है कि क्या इसका ज्यादा सेवन हानिकारक है? वहीं, इसके ज्यादा सेवन से पीरियड्स पर भी इसका असर पड़ता है।

विटामिन-सी के सेवन से कैसे जल्दी आ सकते हैं पीरियड?

विटामिन-सी उन हार्मोन को प्रभावित कर सकता है जो पीरियड्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विटामिन सी एस्ट्रोजन के स्तर को बढ़ा सकता है जबकि साथ ही प्रोजेस्टेरोन के स्तर को कम कर सकता है। ये हार्मोनल परिवर्तन गर्भाशय के संकुचन का कारण बन सकते हैं और गर्भाशय की परत को तोड़ने का कारण बन सकते हैं, जिससे मासिक धर्म जल्दी हो सकते हैं। लेकिन फिर भी हर महिला के साथ विटामिन-सी के ज्यादा सेवन से ऐसा ही हो, यह नहीं कहा जा सकता। विटामिन-सी मासिक धर्म चक्र को प्रभावित कर सकता है और मासिक धर्म जल्दी आने का कारण बन सकता है।

कई वजहों से जल्दी आ सकते हैं पीरियड्स

आपके पीरियड्स आने का टाइम कई कारणों से बदलता रहता है। जैसे, महीने में कितने दिन है, इसके कारण भी आपके पीरियड्स आने का टाइम बदलता रहता है। 30 या 31 का महीना होने से यानी एक दिन का अंतर भी आपके पीरियड्स को एक हफ्ते तक कम-ज्यादा कर सकता है। इसके अलावा वजन बढ़ना भी आपके पीरियड्स को भी प्रभावित कर सकता है। हार्मोनल असंतुलन, गर्भनिरोधक गोलियां, संक्रमण से भी पीरियड्स में देरी हो सकती है। बहुत अधिक तनाव, चिंता और दवाएं भी आपके पीरियड्स के टाइम में देरी का कारण बन सकते हैं। ऐसे में सिर्फ विटामिन-सी के सेवन से ही पीरियड्स का टाइम बदलता है, यह नहीं कहा जा सकता।

सेहत ही नहीं स्किन के लिए भी फायदेमंद है खजूर

इन दिनों स्किन प्रॉब्लम कई हद तक बढ़ती जा रहां है। जिसकी वजह से लोगों को कई तरह की परेशानी हो रही है जिसमें सबसे ज्यादा जो देखने को मिल रहा है वो है बेजान और रूखी त्वचा। ऐसे में स्किन का ध्यान रखना बेहद मुश्किल होता है। स्किन की चमक को लौटाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट बाजार में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन अगर आप कुछ नेचुरल चीज को इस्तेमाल करने की तलाश में हैं तो आप खजूर का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैसे तो खजूर सेहत के लिए खूब फायदेमंद होता है लेकिन ये स्किन के लिए भी उतना ही लाभ कारी है। इसमें भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम और फास्फोरस मौजूद होता है। यह स्किन को जवां और बेदाग बनाने में मदद करता है। अब ऐसे में अगर आप खजूर को स्किन पर लगा सकते हैं। इसे हफ्ते में कम से कम दो बार लगाया जा सकता है।

खजूर से बनाएं फेस पैक

आप खजूर से फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए खजूर के बीज निकाल कर इनहें दूध में रात भर के लिए भिगो दें। फिर सुबह उठकर उसमें मलाई मिलाएं और अच्छे से पीस कर पेस्ट बना लें। इसमें हल्का सा नींबू मिलाएं और इसे साफ चेहरे पर अच्छे से लगाएं। गर्दन पर लगाना न भूलें। अब इस पैक को कम से कम 20 से 25 मिनट के लिए लगा कर रखें। जब अच्छे से सूख जाए तो स्क्रब करते हुए हटाएं।

स्क्रब लगाने के फायदे

इसे लगाने के बाद आपकी स्किन बेहद सॉफ्ट महसूस करेगी, क्योंकि इसमें दूध और मलाई मिलाई गई है। मलाई आपकी स्किन को हाईड्रेट करने में भी मदद करती है। ये फेस पैक पिंपल्स और एक्ने की समस्या को भी दूर करने में मदद करता है। अगर आपकी स्किन पर टैनिंग है तो आप इसका इस्तेमाल करें।

पार्टनर संग भारत में हनीमून कर रहे हैं प्लान, गोवा नहीं, कौसानी का करें रुख

नई शादीशुदा जिंदगी में हनीमून सबसे खूबसूरत फेस होता है। ये ऐसा समय होता है जब कपल अपने परिवार से दूर एक दूसरे की कंपनी को एंजॉय करता है। हालांकि अब कपल्स भारत की ऑफबीट जगहों को एक्सप्लोर करने के बजाए विदेश यात्रा पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। हालांकि भारत में भी कुछ ऐसी जगहें हैं जिन्हें आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। इन्ही जगहों में से एक कौसानी। इस जगह को भारत का स्विटजरलैंड भी कहा जाता है। समुद्र से 6075 मीटर की ऊंचाइ पर है जो अलमोरा से 53 किलोमीटर दूर है। खूबसूरत होने के साथ-साथ ये जगह कुछ एक्टिविटी को एक्सप्लोर करने का मौका भी देती है। आइए, जानते हैं इस जगह के बारे में सबकुछ-

इन मंदिरों के करें दर्शन

यहां खूब सारे मंदिर है, लेकिन आप इन तीन मंदिरों के दर्शन जरूर करें।

1) रूद्रहारी महादेव मंदिर

ये गुफा वाला मंदिर कोसी नदी के पास है। साथ ही इस मंदिर के चारों तरफ वॉटर फॉल होता रहता है।

2) बेजनाथ मंदिर

ये मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और अपनी बनावट के कारण खूब फेमस भी है।

3) कोट भ्रामरी

ये देवी भ्रामरी का काफी पुराना मंदिर है। ऊंचाई पर बसा ये मंदिर चारों और हरियाली से ढका हुआ है।

इन जगहों पर घूमें

1) ग्वालडेम

अगर आप और आपका पार्टन भीड़-भीड़ से दूर वाली जगहों पर घूमना पसंद करते हैं तो आप इस जगह पर जाएं। ये छोटा सा गांव गढ़वाल औक कुमौन के बीच में है। यहां आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक वॉक पर जा सकते हैं और त्रिशूल चोटी को निहार सकते हैं। इसके अलावा यहां बहुत सारा एरिया ऑर्खिड से भरा है, ऐसे में इस जगह को घूमना तो बनता है।

2) पीननाथ पर ट्रैकिंग

आप दोनों को अगर एडवेंचर पसंद है तो आप यहां से 5 किलोमीटर दूर जा सकत हैं और कुछ एक्टिविटी को एंजॉय कर सकत हैं। इस जगह पर भी काफी सारे मंदिर हैं।

कैसे पहुंचे

अगर आप फ्लाइट से ट्रैवल करने वाले हैं तो आप पंतनगर तक के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। ये कौसानी के सबसे पास वाला स्टेशन है। यहां से आप 4 से 5 घंटे का सफर रोड के जरिए तय करवना होगा। वहीं अगर आप कार से यहां जा रहे हैं तो आप दिल्ली से होते हुए यहां जा सकते हैं। ये दिल्ली से 401 किलोमीटर दूर है। यहां ट्रेन से भी जा सकते हैं। अगर आप ट्रेन से यहां जाना चाहते हैं तो कठगौदाम स्टेशन यहां से पास में है।

शिमला-मनाली नहीं, इस बार एक्सप्लोर करें हिमाचल प्रदेश की ये ऑफबीट प्लेस

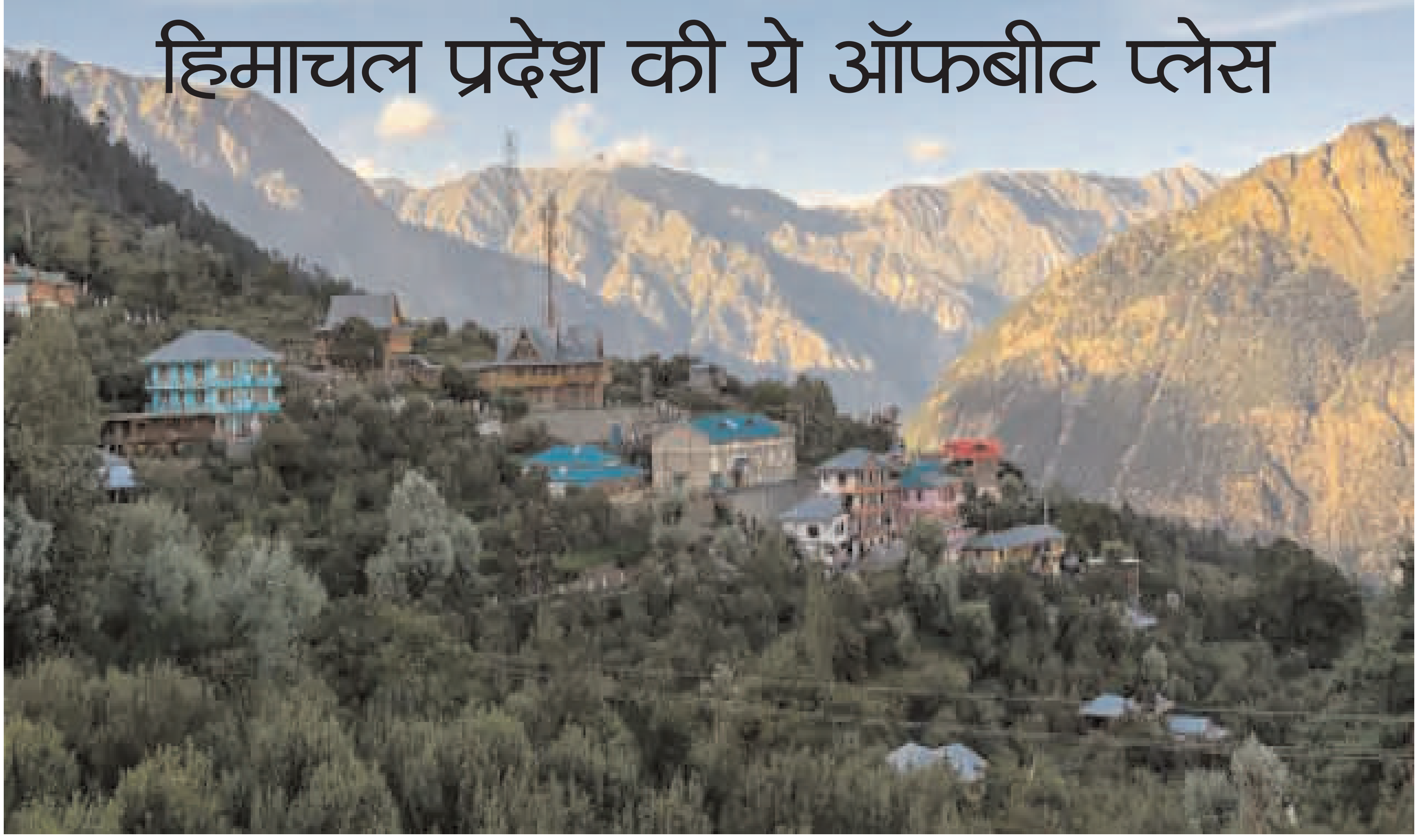

जब भी पहाड़ों को एक्सप्लोर करने की बात आती है तो सभी लोग हिमाचल जाना पसंद करते हैं। यहां की बेहद खूबसूरत पहाड़ी हर किसी का मन मोह लेती हैं। यहां के शहर तो खूबसूरत हैं ही, लेकिन यहां के गांव और भी खूबसूरत हैं। ऐसे में अगर आप हिमाचल जाने के लिए ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो यहां के खूबसूरत गांवों को एक्सप्लोर करने का लुफ्त जरूर उठाएं। जानते हैं हिमाचल की कुछ ऑफबीट प्लेस के बारे में।

बरोत

हिमाचल के मंडी जिले में स्थित यह प्राकृतिक सुंदरता से घिरी ये जगह गेट-टू-गैदर के लिए अच्छा है। अगर आप मछली पकड़ना पसंद करते हैं, तो आपको इस जगह से प्यार हो जाएगा क्योंकि इसमें मछली पकड़ने के कुछ अद्भुत फार्म हैं जो आपको ताजी ट्राउट मछलियां देते हैं। बरोट में नर्गू वाइलडलाइफ सैन्चुरी हैं जहां आप हिमालयी प्रजातियों जैसे काले भालू को देख सकते हैं। इस जगह पर आप ट्रैकिंग का लुफ्त भी उठा सकते हैं।

शोजा

जालोरी के पास, शोजा कुल्लू और शिमला के बीच में बसा है। ये जगह कैंपिंग के लिए अच्छी है। तारों के नीचे लगे बिस्तर, पक्षियों को देखना और प्रकृति घूमने के लिए एक अच्छी जगह है। शांति और सुकून के पलों का अनुभव करने के लिए शोजा शानदार जगह है।

फिरनी गांव

अगर आपको पहाड़ों से प्यार है तो आपको अपना लाइफ में कम से कम एक बार इस जगह पर जाना चाहिए। खूबसूरत झरनों को निहारने के लिए इस जगह पर जा सकते हैं। शुद्धा ताजी हवा, चारों ओर खूबसूरत पहाड़, साफ नीला आसमान के बीच आपकों कम से कम एक दिन तो बिताना चाहिए।

निहंगों की बर्बरता के शिकार युवक की बहन-पत्नी और ससुर से पूछताछ, ग्रामीणों के बयान भी लिए

पंजाब की SIT भी पहुंची लखबीर के गांव

बहन राजकौर ने SIT से कहा- साजिश के तहत हुई लखबीर की हत्या

जिस गौशाला में काम करता था निहंग सरबजीत, उसके संचालक से भी पूछताछ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सिंघु बॉर्डर पर निहंगों की बर्बरता का शिकार हुए लखबीर सिंह की हत्या के मामले में पंजाब सरकार की ओर से गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने जांच शुरू कर दी है। SIT में शामिल ADGP वरिंदर कुमार शनिवार को तरनतारन के स्स्क्क हरविंदर विर्क के साथ चीमा खुर्द में लखबीर के घर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मृतक की बहन राजकौर, पत्नी जसप्रीत कौर और ससुर दर्शन सिंह से बातचीत की। इससे पहले हरियाणा सरकार की विशेष टीम भी चीमा खुर्द गांव जाकर परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर चुकी है। पंजाब सरकार ने लखबीर हत्याकांड की जांच के लिए SIT का गठन किया था। टीम में ADGP वरिंदर कुमार, फिरोजपुर बॉर्डर रेंज DIG इंद्रबीर सिंह और तरनतारन के SSP हरविंदर विर्क को शामिल किया गया है। लखबीर की बहन राजकौर ने टीम को बताया कि उसका भाई ऐसी घटना को अंजाम नहीं दे सकता। किसी साजिश के तहत फंसाकर उसकी हत्या की गई है। राजकौर स्ड्डञ्ज के सामने भावुक हो गईं। रोते हुए उन्होंने अपील की कि पुलिस उनके भाई की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों तक पहुंचे और उसके माथे पर लगे कलंक को मिटाए। राजकौर ने कहा कि इस हत्या के पीछे किसी ने बड़ी साजिश रची है।

परगट और दिलबाग सिंह से भी मिले अफसर

SIT के अधिकारी इसके बाद परगट सिंह के घर भी पहुंचे। अधिकारियों ने परगट सिंह और उसके परिजनों के बयान भी कलमबद्ध किए। टीम के सदस्य गांव में स्थित गौशाला भी पहुंचे। इस गौशाला के संचालक दिलबाग सिंह है। टीम ने दिलबाग से भी पूछताछ की। ग्रामीणों के मुताबिक लखबीर सिंह का हाथ काटने का दावा करने वाला निहंग सरबजीत सिंह किसान आंदोलन में सिंघु बॉर्डर जाने से पहले इसी गौशाला में काम करता रहा है। यहां भी पुलिस अफसरों ने सभी के बयान कलमबद्ध किए। ADGP वरिंदर कुमार ने बताया कि पंजाब सरकार की ओर से गठित SIT ने शनिवार को चीमा कलां गांव में पहुंचकर जांच की। टीम ने जिस भी व्यक्ति से मुलाकात की उसके बयान कलमबद्ध किए गए हैं। जल्द ही लखबीर के फोन की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। जो भी इस पूरे मामले में दोषी होगा उसे गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पंजाब सरकार के इस मुद्दे पर SIT बनाने के पीछे सियासी मायने भी हैं। बेअदबी मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाकर ही पिछले महीने कैप्टन अमरिंदर सिंह को पंजाब के ष्टरूपद से हटाया गया।

शुक्रवार को पहुंची थी हरियाणा की SIT

हरियाणा पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम शुक्रवार को पंजाब में तरनतारन जिले के चीमा गांव में लखबीर सिंह के घर पहुंची। SIT में शामिल सब-इंस्पेक्टर रणबीर सिंह ने लखबीर सिंह की बहन राज कौर और पत्नी जसप्रीत कौर से लगभग 40 मिनट तक पूछताछ की। टीम ने हवेलियां गांव में उस परगट सिंह के परिवार से भी पूछताछ की जिसका मोबाइल नंबर लखबीर ने वीडियो में बताया था। लखबीर सिंह के खिलाफ बेअदबी के आरोप में कुंडली थाने में आईपीसी की धारा 295ए के तहत स्नड्डक्र नंबर 612 दर्ज की गई है। बेअदबी का केस निहंग बलविंदर सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया।

अब चरणजीत सिंह चन्नी की सरकार यह कह सकेगी कि उसने तो दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर हुई बेअदबी की जांच के लिए भी टीम बना दी थी। पंजाब सरकार की यह SIT पता लगाएगी कि तरनतारन जिले के चीमा गांव का लखबीर सिंह सिंघु बॉर्डर पर कैसे पहुंचा? उसे वहां कौन लेकर गया? क्या बेअदबी के लिए उसे किसी ने पैसे दिए थे?

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल बोले- अगर शाहरुख भाजपा में शामिल हो जाएं, तो ड्रग्स को चीनी मान लिया जाएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

महाराष्ट्र के नेता छगन भुजबल ने क्रूज ड्रग्स केस में BJP पर निशाना साधा है। नेता ने भाजपा के दोहरे रवैये पर तंज कसते हुए कहा कि अगर बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खाना BJP में शामिल हो जाएंगे तो ड्रग्स को शक्कर का बूरा मान लिया जाएगा। क्रूज ड्रग्स केस में शाहरुख के बेटे आर्यन खान जेल में बंद हैं। भुजबल ने कहा, गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर 3000 किलो हेरोइन बरामद हुई, लेकिन उसकी जांच नहीं की जा रही है। NCB शाहरुख के पीछे पड़ी है, लेकिन अगर यही शाहरुख BJP से जुड़ जाएं तो ड्रग्स को भी चीनी मान लिया जाएगा। NCP लगातार क्रूज ड्रग्स प्रकरण में BJP और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पर निशाना साध रही है।

NCP ने बताया था ड्रग्स केस को फर्जी

NCP नेता नवाब मलिक ने तो NCB के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी है। उन्होंने शुरू से ही कहा है कि यह पूरा मामला फर्जी है। ह्ष्टक्क ने टारगेट करके क्रूज पर छापा मारा था और 1300 लोगों में से सिर्फ 11 लोगों को हिरासत में लिया था। इन्हें पकड़ने के बाद NCB ऑफिस लाया गया और इसमें से आर्यन, अरबाज और मुनमुन समेत 8 को अपने पास रखते हुए बाकी आरोपियों को जाने दिया गया।

नवाब मलिक ने वानखेड़े को दी थी धमकी: नवाब मलिक ने NCB के जोनल हेड समीर वानखेड़े पर हमला करते हुए कहा कि वे केंद्र सरकार की एक कठपुतली हैं। वह लोगों को फर्जी मामलों में फंसाता है। उन्होंने वानखेड़े को धमकी देते हुए कहा था कि- मैं वानखेड़े को चुनौती देता हूं कि वो एक साल के भीतर अपनी नौकरी से हाथ धो बैठेंगे। आपको जेल भेजने तक जनता चुप नहीं बैठने वाली। हमारे पास आपके हर फर्जी मामलों के सबूत है। मलिक यहीं नहीं रुके। उन्होंने वानखेड़े से सवालिया लहजे में पूछा- बताओ तुम्हारा बाप कौन है? जो दबाव बना रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रखी IIT-जम्मू की नींव।

इंडोनेशिया के सुमात्रा में मिला बहुमूल्य खजानाः मछुआरों ने ढूंढ़ा 700 साल पुराना श्रीविजय का स्वर्ण द्वीप, दुर्लभ प्रतिमाएं भी मिली

जकार्ता। सदियों से दक्षिण पूर्वी एशिया का देश इंडोनेशिया भारतीय संस्कृति का विस्तार माना जाता रहा है। यहां के सुमात्रा द्वीप में सातवीं से 13 वीं शताब्दी तक श्रीविजय राजवंश का शासन रहा। पेलंगबांग को इस राजवंश का स्वर्ण द्वीप कहा जाता था। भारतीय चोल राजाओं ने यहां हमला कर बहुमूल्य खजाने को लूटा और श्रीविजय राजवंश के राजाओं को बंधक बना लिया। वापसी में ये खजाना गायब हो गया। खतरनाक मगरमच्छों से भरी पेलंगबांग की मुसी नदी में लोग इसकी खोज में लगे रहे। अब लगभग 700 साल बाद मछुआरों ने इस

बहुमूल्य खजाने को खोज निकाला है। समुद्री खोजकर्ता डॉ. शॉन किंगस्ले के अनुसार ये सुमात्रा के गायब स्वर्ण द्वीप की खोज है।

श्रीविजय राजवंश का था समुद्रों पर राज: इतिहासकारों के अनुसार सुमात्रा का श्रीविजय राजवंश 13 वीं शताब्दी तक दक्षिणपूर्वी एशिया के द्वीपों पर शासन था। समुद्री शक्ति होने के कारण इसका फैलाव भारत के पूर्वी तटों और दक्षिण चीन महासागर था। यहां पूर्व में मिले भारतीय और चीनी सिक्के इस बात का प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों में श्रीविजय राजवंश का एकछत्र राज था। यहां बौद्ध और हिंदू धर्म की प्रतिमाएं भी मिली हैं। बाद में ये राजवंश जावा के मलायु तक सिमट गया।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस की सदस्यता के नए नियमः शराब और ड्रग्स से दूर रहना होगा

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की सदस्यता लेना अब आसान नहीं होगा। पार्टी ने शनिवार को सदस्यता के लिए नए नियम जारी किए हैं। नए नियम के मुताबिक, पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के लिए व्यक्ति को शराब और ड्रग्स से दूर रखने की घोषणा करनी होगी। इतना ही नहीं नए सदस्य सार्वजनिक रूप से पार्टी की नीतियों की भी आलोचना नहीं कर सकेंगे। नए सदस्यता अभियान से पहले तैयार किए गए फॉर्म के मुताबिक, नए सदस्यों को 10 व्यक्तिगत वादे करने होंगे।

1 नवंबर से 31 मार्च तक चलेगा सदस्यता अभियान: संगठन चुनाव से पहले सदस्यता अभियान 1 नवंबर से शुरू होगा और अगले साल 31 मार्च तक जारी रहेगा। नए कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चुनाव अगले साल 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। हाल ही में कांग्रेस वर्किंग कमिटी में इस फैसले पर मुहर लगाई गई है।

पार्टी नेता ने बताया संविधान का हिस्सा: नए नियमों को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि, यह एक पुराना आवेदन पत्र है और हमारे पार्टी के संविधान का हिस्सा है। हम नए और पुराने सभी पार्टी सदस्यों से उम्मीद करते हैं कि वे सभी नियमों का अनुसरण करेंगे।

सदस्यता के लिए प्रमुख वचन

» नए सदस्य सीलिंग कानून से अधिक प्रॉपर्टी नहीं रखेंगे।

» पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

» शारीरिक श्रम या काम करने में संकोच नहीं करेंगे।

» शराब और ड्रग्स से दूर रहेंगे।

» सार्वजनिक रूप से पार्टी की नीतियों की आलोचना नहीं करेंगे।

पूर्वी दिल्ली के गणेश नगर में टीम इंडिया की जीत के लिए यज्ञ का आयोजन करते हुए दुबई में भारत बनाम पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच से पहले क्रिकेट प्रशंसक टीम इंडिया के लिए चीयर करते हैं।

इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति की बेटी हिंदू धर्म अपनाएंगीःदीया मुटियारा सुकमावती ने इस्लाम छोड़ हिंदू धर्म अपनाने का किया फैसला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जकार्ता

दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो की बेटी दीया मुटियारा सुकमावती ने इस्लाम छोड़ हिंदू धर्म अपनाने का फैसला किया है। उन्हें सुकमावती सुकर्णोपुत्री के नाम से भी जाना जाता है। धर्मांतरण समारोह के प्रभारी आर्य वेदकर्ण ने कहा कि 26 अक्टूबर को बाली अगुंग सिंगराजा में शुद्धि वधनी नाम का कार्यक्रम होगा। इसमें वे हिंदू धर्म अपनाएंगी। धर्मांतरण समारोह की तारीख पर ही सुकमावती का 70वां जन्मदिन भी है।

दादी से प्रेरित होकर लिया यह फैसला

सुकमावती ने हिंदू धर्म को अपनाने का फैसला अपनी दादी स्वर्गीय इडा आयु न्योमन राय श्रीम्बेन (1881-1958) से प्रभावित होकर लिया। सुकमावती के वकील ने बताया कि इसका कारण उनकी दादी का धर्म है। सुकमावती ने हिंदू धर्मशास्त्र को अच्छी तरह से पढ़ा है। बाली की पिछली यात्राओं के दौरान सुकमावती अक्सर हिंदू धार्मिक समारोहों में शामिल होती थीं और हिंदू धार्मिक हस्तियों के साथ बातचीत करती थीं।

20 साल में 30,177 सैनिकों ने की आत्महत्या

न्यूयार्क। अमेरिकी सैनिक गहरे तनाव, अवसाद के शिकार हैं। इससे उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। साथ ही उनकी आत्महत्या की घटनाएं भी। बीते छह महीने में अलास्का के वायुसैनिक अड्डे में ही छह सैनिक आत्महत्या कर चुके हैं। जबकि बीते दो दशक में 30,177 सैनिक जान दे चुके हैं। जबकि इस दौरान युद्ध में सिर्फ 7,057 सैनिक शहीद हुए। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक लगातार लड़ते-मारते सैनिक खुद पर से भरोसा खोने लगे हैं। इसलिए वे ऐसा कदम उठा रहे हैं। बोस्टन यूनिवर्सिटी के शोधार्थी थॉमस बेन ने भी इस बारे में अध्ययन किया है। भास्कर को इसके निष्कर्ष बताते हुए वे कहते हैं कि लगातार युद्ध के मोर्चों पर तैनात रहने और इस दौरान घातक आधुनिक हथियारों तथा विस्फोटकों के बीच रहने से सैनिकों में तनाव, अवसाद बढ़ता है।

ध्यान भटकना आम समस्याः दिमाग जब सूचनाओं से भर जाता है तो नई जानकारी की जगह नहीं बचती, इसलिए एकाग्रता की वर्जिश जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

सूचनाओं की भयानक बमबारी के बीच किसी चीज पर फोकस करना चुनौती बनता जा रहा है। आंखें हर सेकंड दिमाग को एक करोड़ बिट्स (बायनरी डिजिट) डेटा भेजती हैं। कानों के जरिए तरह-तरह का शोर पहुंचता है। हर दिन औसतन 6000 विचार दिमाग में कौंधते हैं। ऐसे में किसी एक काम पर फोकस के लिए तमाम डेटा को फिल्टर करना बड़ी चुनौती है। कोरोनाकाल में यह चुनौती और बढ़ गई है। एक शोध बताता है कि लगातार अभ्यास के जरिए फोकस को बेहतर कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए दिमाग की भी रोज कसरत करनी होगी। यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी के कॉग्निटिव और बिहेवियरल साइंस की प्रोफेसर अमीषी झा ने चार हफ्ते के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद पाया कि साधारण से माइंडफुलनेस व्यायाम से फोकस बढ़ाया जा सकता है।

साथ ही भावनात्मक स्वास्थ्य के कई पहलुओं में सुधार किया जा सकता है। इस अध्ययन में सैनिक, एथलीट और इमरजेंसी में तैनात होने वाले डॉक्टर-स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए। उन्होंने अपनी किताब, 'पीक माइंड- फाइंड योर फोकस, ऑन योर अटेंशन, इन्वेंस 12 मिनट्स अ डे' में इस पर विस्तार से बात की है।

इस पूरी प्रकिया में तनाव सबसे बड़ी बाधा

एकाग्रता में सबसे बड़ी बाधा तनाव है। बहुत सजग अवस्था में भी हम चिंतन करने लगते हैं। कल्पनाएं करने हैं। यह दिमाग के उस हिस्से को प्रभावित करता है, जिसे वर्किंग मेमोरी कहते हैं। मेमोरी व्हाइटबोर्ड की तरह है। जब दिमाग का व्हाइट बोर्ड तनाव संबंधी विचारों, भावनाओं और चित्रों से भर जाता है तो नई सूचना के लिए जगह नहीं बचती। दिमाग में शून्य सा आ जाता है। हम आसपास के लोगों पर चिढ़ने लगते हैं। फिर खुद को दोषी मानने लगते हैं और यही एकाग्रता को मुश्किल बनाता है।

ऐसे करें दिमागी कसरत, ध्यान सिर्फ सांसों पर होना चाहिए: अमीषी ने दिमाग के लिए आसान कसरत तैयार कीं। इसे रोज 12 मिनट तक करना होता है। शुरुआत में 3 मिनट भी कर सकते हैं। इसका मकसद उस वक्त को जीना है, जिनमें आप अभी मौजूद हैं।

सांसों पर ध्यान से दिमाग को आराम दें: सांसों पर या सांसों को शरीर में जहां सबसे ज्यादा महसूस करते हैं, वहां ध्यान फोकस करें। एक हफ्ते तक रोज तीन मिनट के लिए इसे करें। उसके बाद समय बढ़ाते जाएं।

चेन्नई के कासिमेडु मछली बाजार में मछुआरे और खरीदार व्यस्त।

न्यूज ब्रीफ

फेनेस्ता ओपन का मुख्य ड्रा आज से

नई दिल्ली। फेनेस्ता ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप का मुख्य ड्रा सोमवार से शुरू होगा। सुरक्षा कारणों और कोविड 19 प्रतिबंधों के चलते इस बार केवल पुरुष और महिला मुकाबले ही आयोजित हो रहे हैं और विजेता को तीन-तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी। पुरुष वर्ग में निक्की पूनाचा, वीएम रणजीत, दलविंदर सिंह, विष्णु वर्धन और कुणाल आनंद खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे जबकि महिला वर्ग में प्रेरणा भाम्बरी, जील देसाई, शर्मदा बालू, साई संहिता और वैदेही चौधरी दावेदार रहेंगी। डीएलटीए काम्प्लेक्स में सभी कोविड 19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखा जाएगा। डीसीएम श्रीराम लिमि के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक अजय श्रीराम ने टूर्नामेंट के बारे में कहा कि फेनेस्ता ओपन नेशनल को आयोजित करना हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। ओलम्पिक और पैरालम्पिक में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय खेल अब ऊंचाई पर हैं। भारतीय खेल अब धीरे-धीरे शुरू हो रहे हैं। हमारे लिए फेनेस्ता ओपन की मेजबानी एक जूनून और गर्व की बात है। मुख्य ड्रा सोमवार से शुरू होगा और दोनों फाइनल 30 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

कंगारुओं की जीत के साथ हुआ सुपर-12 का आगाज

अबुधाबी। टी-20 वर्ल्ड कप के पहले क्वालिफायर मैच में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 5 विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए साउथ अफ्रीका ने 118/9 का स्कोर बनाया था। एडेन मार्करम (40) टॉप स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड, एडम जम्पा और मिचेल स्टार्क ने 2-2 विकेट लिए। 119 रनों के टारगेट को कंगारू टीम ने 19.4 ओवर के खेल में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। एक समय 81 पर ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट लेकर अफ्रीकी टीम ने मुकाबलों को रोमांचक बनाने का काम किया था, लेकिन मार्कस स्टोइनिस और मैथ्यू वेड ने छठे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 40 रन जोड़कर अफ्रीका को वापसी को मौका नहीं दिया।

टॉप ऑर्डर ने किया निराश

टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में एनरिक नॉर्त्या ने एरोन फिंच (0) को आउट कर साउथ अफ्रीका को बड़ी सफलता दिलाई। डेविड वार्नर (14) की विकेट रबाडा के खाते में आई। मिचेल मार्श 11 रन बनाकर आउट हुए। स्टीव स्मिथ 35 के स्कोर पर नॉर्त्या को अपनी विकेट थमा बैठे। अगले ही ओवर में तबरेज शम्सी ने मैक्सवेल (18) को बोल्ड कर कंगारू टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मंजू रानी ने राष्ट्रीय मुक्केबाजी में दबदबे के साथ किया आगाज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज हिसार

उम्मीदों पर खरी उतरते हुए विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मंजू रानी ने शनिवार को हरियाणा के हिसार के सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में चल रही 5वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत किया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की मुक्केबाज मंजू, जिन्होंने 2019 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए रजत जीतकर सुर्खियां बटोरीं थीं, ने हरियाणा बॉक्सिंग संघ के सहयोग से बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित आयोजन के तीसरे दिन शनिवार को 48 किग्रा भार वर्ग में दूसरे दौर का मैच 5-0 से जीता। उनके सामने उड़ीसा की भबानी बारिक थीं। हरियाणा की ही नीतू ने भी उतना ही अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने 48 किग्रा भार वर्ग में एकतरफा मुकाबले में राजस्थान की स्वस्ति आर्य को एकतरफा अंदाज में समान अंतर से हराया। इस बीच, 50 किग्रा भार वर्ग के दूसरे दौर में पंजाब की कोमल और आंध्र प्रदेश की राम्या गुडुरू ने कड़ी टक्कर के बाद जीत दर्ज की। जहां कोमल ने मध्य प्रदेश की दीपा कुमार के खिलाफ

3-2 से जीत दर्ज की, वहीं आंध्र प्रदेश की राम्या गुडुरु ने उत्तर प्रदेश की रिंकी किशोर को 4-1 से हराया। इससे पहले चैंपियनशिप के दूसरे दिन, जिसमें देश भर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा बोडर्ं के 320 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं, दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी ने अखिल भारतीय पुलिस की पिंकी के खिलाफ एकतरफा अंदाज में 5-0 की आसान जीत हासिल का। भिवानी जिले की रहने वाली पूजा ने 2021 टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। कोविड-19 महामारी के बाद घरेलू सर्किट के फिर से शुरू होने के बाद से यह छठी राष्ट्रीय चैंपियनशिप जिसका आयोजन बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) करा रहा है। इससे पहले बीएफआई ने जूनियर, युवा और पुरुषों के राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का सफल आयोजन किया है। चैंपियनशिप मुक्केबाजी की वैश्विक नियामक संस्था-एआईबीए के 12 भार वर्गों के अनुसार खेली जा रही है। ये भार वर्ग हैं- 48 किग्रा, 50 किग्रा, 52 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 66 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 81 किग्रा और +81 किग्रा। इस चैंपियनशिप के स्वर्ण और रजत पदक विजेता राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में स्थान अर्जित करेंगे। प्रत्येक श्रेणी में शिविर के लिए शेष दो नामों का चयन सेलेक्शन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, जो कि इस प्रतियोगिता के ठीक बाद आयोजित होगा।

टी-20 का 5वां सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड हुआ विंडीज टीम के नाम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

टी-20 विश्व कप सुपर-12 के अहम मुकाबले में गत विजेता विंडीज की टीम अपने पहले ही मुकाबले में 55 रनों पर सिमट गई। विंडीज की ओर से गेल ने सबसे ज्यादा 13 रन बनाए। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। मध्यक्रम में हेटमायर 9, ब्रावो 5, निकोल्स पूरण 1, कप्तान कीरोन पोलार्ड 6 और आंद्रे रसेल शून्य पर पवेलियन लौट गए। विंडीज का यह दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

टी-20 इंटरनैशनल में विंडीज के 5 न्यूनतम स्कोर

45 बनाम इंगलैंड (मार्च 2019)
55 बनाम इंगलैंड (अक्तूबर 2021)
60 बनाम पाकिस्तान (अप्रैल 2018)
71 बनाम इंगलैंड (मार्च 2019)
79/7 बनाम जिमबाब्वे (फरवरी 2010)

आंकड़े साफ तौर पर बताते हैं कि इंगलैंड के खिलाफ विंडीज के बल्लेबाज ज्यादा खुलकर नहीं खेल पाए। विंडीज के 5 न्यूनतम स्कोर में 3 इंगलैंड के खिलाफ ही हैं। अगर ओवरऑल आंकड़ों की बात की जाए तो एक पारी में सबसे कम रन बनाने का रिकॉर्ड तुर्की के नाम पर हैं। अगस्त 2019 में चैक रिपब्लिक के खिलाफ हुए मुकाबले में तुर्की की टीम 8.3 ओवरों में 21 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद लिसोथो 26, तुर्की 28, तुर्की 32 और नीदरलैंड 39 का नाम आता है।

हार के बावजूद टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं : पोलार्ड

इंग्लैंड के हाथों टी20 विश्व कप सुपर 12 चरण के पहले मैच में 55 रन पर आऊट होने के बाद छह विकेट से हारी वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने कहा कि इस परिणाम के बावजूद उनकी टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं है। पोलार्ड ने मैच के बाद कहा कि इस तरह का प्रदर्शन अस्वीकार्य है।

हम अब तक तीन मैचों में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। बल्लेबाज अपने शॉटस नहीं खेल पा रहे। इसके बावजूद कोई घबराहट नहीं है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया भर में काफी क्रिकेट खेलते हैं और इस तरह की बाात पहली बार नहीं हुई है। हमें इस तरह के मैचों का अनुभव है। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और हमें इस हार को भुलाकर आगे बढना है। गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अकील हुसैन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उसे फेबियन एलेन की चोट के कारण मौका मिला।

पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने डिफेंडिंग चैंपियंस को दी मात

6 विकेट से जीता मुकाबला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

इंग्लैंड ने एकतरफा मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए वेस्टइंडीज ने फैंस को खासा निराश किया और 55 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। दिग्गजों से सजी टीम के लिए एक भी खिलाड़ी विकेट पर खड़े रहने का साहस नहीं दिखा सका। इंग्लैंड के लिए आदिल राशिद के खाते में चार विकेट आई। टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने भी 39 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे। जेसन रॉय (11), जॉनी बेयरस्टो (9), मोइन अली (3) और लियाम लिविंगस्टन (1) के स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौटे। वेस्टइंडीज के लिए अकील होसेन दो विकेट लेने में सफल रहे। टीम की जीत में जोस बटलर ने 22 गेंदों पर नाबाद 24 और कैप्टन मोर्गन नाबाद 7 रन बनाए। टी-20 WC में इंग्लैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों में मिली हार के बाद ये पहली

जीत रही। मैच में दो विकेट लेने वाले मोइन अली को मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह छठा मौका रहा जब मोइन अली को टी-20 फॉर्मेट में मैन ऑफ द मैच मिला हो। टी-20 चैंपियंस ने किया निराश टॉस हारकर पहले खेलते हुए वेस्टइंडीज ने बहुत ही शर्मनाक प्रदर्शन किया और टीम 14.2 ओवर के खेल में सिर्फ 55 रनों के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। एविन लेविस (6), लेंडल सिमंस (3), शिमरोन हेटमायर (9), आंद्रे रसेल (0), ड्वेन ब्रावो (5), किरोन पोलार्ड (6), निकोलस पूरन (1) पर आउट हुए।

जापान की शोमा ऊनो; विन्सेंट झोउ; और नाथन चेन, बाएं से, लास वेगास में स्केट अमेरिका फिगर स्केटिंग इवेंट में पुरुषों की प्रतियोगिता के बाद अपने पदक के साथ पोज देते हुए।

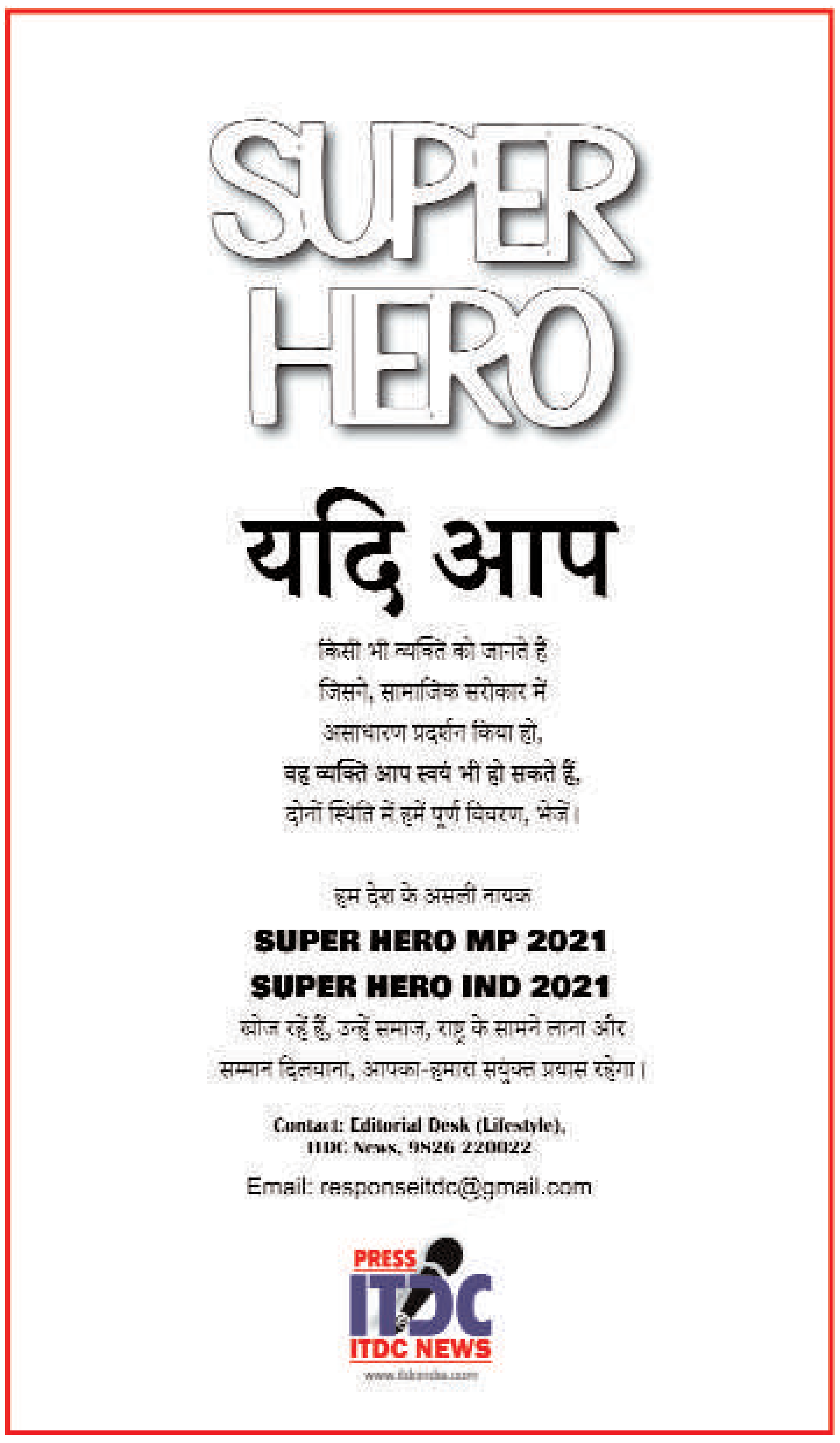

स्कॉटलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा अफगानिस्तान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शारजाह अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप में जब स्कॉटलैंड के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी तो उसे उम्मीद होगी कि वे स्वदेश में मुश्किल दौर से गुजर रहे लोगों को जश्न मनाने का मौका देगी। अगस्त में देश पर तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान के लोगों को मुश्किल दौर का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेश में हालात के कारण क्रिकेटरों को अभ्यास का पर्याप्त मौका नहीं मिला और टीम के चयन को लेकर भी विवाद हो गया जब स्टार स्पिनर राशिद खान ने टीम की घोषणा के तुरंत बाद कप्तानी छोड़ दी। अंतिम लम्हों में कुछ बदलाव किए गए और अनुभवी आलराउंडर मोहम्मद नबी को दोबारा टीम

की अगुआई की जिम्मेदारी सौंपी गई। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले विवादों के बावजूद अफगानिस्तान ने दो अभ्यास मैचों में अपनी क्षमता का नजारा पेश किया। टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी लेकिन उसने गत चैंपियन वेस्टइंडीज को हराया। अफगानिस्तान को सलामी बल्लेबाजों हजरतुल्लाह जजाई और मोहम्मद शहजाद से अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी जबकि मध्यक्रम में तेजी से रन जुटाने की जिम्मेदारी नजीबुल्लाह जदरान और कप्तान नबी पर होगी। राशिद, नबी और मुजीब जदरान की स्पिन तिकड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी परेशान करने में सक्षम है और इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान शारजाह की धीमी और नीची रहती पिचों को देखते हुए उम्मीद है कि ये तीनों विश्व कप मुकाबले के लिए तैयार विकेट पर गेंदबाजी का लुत्फ उठाएंगे। दूसरी तरफ बांग्लादेश सहित पहले दौर के अपने तीनों मैचों में जीत दर्ज करने के बाद स्कॉटलैंड की टीम आत्मविश्वास से भरी है। स्कॉटलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी क्षमता दिखाई और हार के कगार पर पहुंचने के बावजूद मजबूत विरोधी टीम को हराया। ब्रेडली व्हील और जोश डेवी की नई गेंद की जोड़ी ने प्रभावी प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मार्क वॉट बीच के ओवरों में प्रभावी रहे हैं। ओमान के खिलाफ जीत के बाद वॉट ने स्पष्ट कर दिया था कि स्कॉटलैंड की टीम सुपर 12 में कुछ उलटफेर करने के इरादे से उतरेगी।

टीमें इस प्रकार हैं :

अफगानिस्तान = राशिद खान, रहमानुल्लाह गुरबाज, हजरतुल्लाह जजाई, उस्मान गनी, असगर अफगान, मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह जदरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, मोहम्मद शहजाद, मुजीब जदरान, करीम जनत, गुलबदीन नायब, नवीन-उल-हक, हामिद हसन और फरीद अहमद।

स्कॉटलैंड = काइल कोएत्जर (कप्तान), रिची बेरिंगटन, डायलन बज, मैथ्यू क्रॉस, जोश डेवी, एलेस्डेयर इवांस, क्रिस ग्रीव्स, माइकल लीस्क, कैलम मैकलियोड, जॉर्ज मुन्सी, साफयान शरीफ, हमजा ताहिर, क्रेग वॉलेस, मार्क वॉट और ब्रेडली व्हील।

न्यूज ब्रीफ

मंत्री समूह महीने भर में प्रस्तुत करेगा जीएसटी प्रणाली की समीक्षा रिपोर्ट

नई दिल्ली। जीएसटी प्रणाली में सुधार के लिए स्थापित केंद्र स्तरीय स्थायी मंत्री समूह सभी राज्यों से सूचनाएं एकत्र करने का काम कर रहा है। विभिन्न राज्यों से प्राप्त जानकारियों की समीक्षा की जा रही है जो अगले एक महीने में प्रस्तुत की जाएगी ताकि जीएसटी प्रणाली में मौजूद कमियों को दूर करके इसके सरल बनाया जा सके। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री तथा केंद्र स्तरीय मंत्री समूह के प्रमुख अजित पवार ने मंत्री समूह की बैठक के बाद बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर वस्तु व सेवा कर प्रणाली (जीएसटीएन) आसान, सुलभ एवं दोष रहित करने के लिए देश के अनेक राज्यों की ओर से सूचनाएं प्राप्त हुई है और शेष राज्यों की ओर से आएगी, इन सभी सूचनाओं की समीक्षा कर रिपोर्ट महीने भर तैयार करने के निर्देश जीएसटीएन के केंद्रीय व राज्य स्तरीय अधिकारियों को गई है। यह रिपोर्ट जीएसटीएन सुधारने के लिए स्थापित केंद्र स्तरीय स्थायी मंत्री समूह की अगली बैठक में प्रस्तुत करने के बाद उस पर योग्य वह विचार कर मंत्रीसमूह, जीएसटी परिषद की ओर योग्य वह सिफ़ारिशें करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से जीएसटीएन अधिक मजबूत करने के लिए अजित पवार के नेतृत्व में स्थापित केंद्र स्तरीय मंत्री समूह की बैठक ऑनलाइन आयोजित की गई थी। अजित पवार ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से जीएसटी प्रणाली में जो कमियां है, उसे दूर कर प्रणाली को अधिक मजबूत एवं सक्षम करने का प्रयास है। उसके लिए अनेक राज्यों ने उपयुक्त सूचनाएं भी भेजी है।

वॉट्सऐप फीचर अपडेट

स्टेटस अपडेट डिलीट करने के लिए अनडू बटन मिलेगा, गलती होने पर स्टेटस डिलीट कर पाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वाट्सऐप अपने प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने के लिए नए फीचर्स जोड़ता रहता है। वॉट्सऐप अब फोटोज एडिट करने के लिए ठ्ठस्रश और ऋद्गस्रश बटन पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी वॉट्सऐप के स्टेटस के लिए भी एक नया फीचर अनडू बटन लाने जा रही है। यह ठ्ठस्रश बटन स्टेटस लगाते समय आपसे हुई गलती को सेकेंड में ठीक कर देगा।

स्टेटस अपडेट को तुरंत डिलीट करने में मदद मिलेगी

वॉट्सऐप के अपडेट को ट्रैक करने वाले ब्लॉग WABetaInfo के अनुसार वॉट्सऐप एक ऐसे फीचर पर काम कर रहा है, जो इसके यूजर्स को गलती से पोस्ट किए गए स्टेटस अपडेट को तुरंत डिलीट करने में मदद करेगा। इसके लिए ऐप में एक Undo बटन दिया जाएगा। यह बटन Status Sent मैसेज के ठीक बगल में लिखा होगा। यानी स्टेटस अपडेट करते ही आप तुरंत एक्शन ले सकते हैं। ऐसा अक्सर देखा गया है कि कई बार गलती से स्टेटस पर फोटोज या वीडियो अपलोड हो जाती हैं।

स्टेटस जल्दी हटा पाएंगे

वाट्सऐप पर पहले से ही यूजर्स को स्टेटस डिलीट करने का ऑप्शन मिलता है। हालांकि इसके लिए आपको पहले Status सेक्शन में जाकर स्टेटस सिलेक्ट करना होगा और तब डिलीट कर पाएंगे। इतनी देर में हो सकता है आपके कई कॉन्टैक्ट उस स्टेटस को देख भी लें। ऐसे में नया बटन फोटोज/वीडियो हटाने का काम तेजी से कर पाता है।

नोटिफिकेशन भी मिलेगा

ब्लॉग साइट के मुताबिक जब आप किसी स्टेटस अपडेट को ठ्ठस्रश करते हैं, तो आप अब डिलीट करने की प्रोसेस को भी फॉलो कर सकते हैं। पूरा होने पर वाट्सऐप आपको नोटिफिकेशन भेजेगा कि आपने स्टेटस डिलीट कर दिया है।

स्टेटस अपडेट के लिए Undo बटन फिलहाल वाट्सऐप बीटा के एंड्रॉइड वर्जन 2.21.22.6 पर टेस्ट किया जा रहा है। टेस्टिंग पूरी होने के बाद इसे सभी यूजर्स के लिए जारी कर दिया जाएगा।

टॉप 5 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.42 लाख करोड़ रुपए घटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,42,880.11 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 484.33 अंक या 0.79 प्रतिशत नीचे आया। शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 45,523.33 करोड़ रुपए घटकर 5,76,836.40 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 45,126.6 करोड़ रुपए के नुकसान से 16,66,427.95 करोड़ रुपए पर और टीसीएस का 41,151.94 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 12,94,686.48 करोड़ रुपए पर आ गया। सप्ताह के दौरान बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 8,890.95 करोड़ रुपए घटकर 4,65,576.46 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 2,187.29 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 9,31,371.72 करोड़ रुपए रह गई। इस रुख के उलट कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,747.78 करोड़ रुपए बढ़कर 4,30,558.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 22,248.14 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,26,497.27 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी की बाजार हैसियत 17,015.22 करोड़ रुपए बढ़कर 5,24,877.06 करोड़ रुपए पर और भारतीय स्टेट बैंक की 11,111.14 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 4,48,863.34 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 1,717.96 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार पूंजीकरण 7,29,410.37 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

24 दिनों में ही पेट्रोल 5.95 और डीजल 6.45 रुपए महंगा हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकारी तेल कंपनियों ने आज लगातार दिन पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी की है। आज दिल्ली में फिर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 35-35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने के बाद दिल्ली में पेट्रोल के दाम 107.59 रुपए और डीजल के दाम 96.32 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं।

24 दिन में 19वीं बार बढ़े दाम

इस महीने 24 दिन में पेट्रोल-डीजल 19 बार महंगे हो चुके हैं। इससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 5.95 और डीजल 6.45 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 2021 कीर बात करें तो इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 107.59 और 96.32 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 10 महीने से भी कम समय में पेट्रोल 23.62 और डीजल 22.20 रुपए तक महंगा हुआ है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड के दाम अभी करीब 85 डॉलर प्रति बैरल हैं, जो अगले तीन से छह महीनों में 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकते हैं। इसके 100 डॉलर तक पहुंचने पर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल वर्तमान कीमतों से 8-10 रुपए प्रति लीटर और महंगे हो जाएंगे। राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसे ज्यादा वैट वाले राज्यों में कीमतों में और इजाफा होगा। इराक के तेल मंत्री एहसान अब्दुल जब्बारी के मुताबिक, अगले साल पहली और दूसरी तिमाही के बीच कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल का स्तर छू लेगा। ब्रेंट का वर्तमान भाव (85 डॉलर) पहले ही एक साल पहले (42.5 डॉलर) के मुकाबले दोगुना है। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो जरूरत का करीब 85 फीसदी कच्चा आयात करता है। यहां आयात बढ़ाना पड़ सकता है।

आने वाले दिनों में बढ़ेगी पेट्रोलियम की मांग

एसएंडपी ग्लोबल प्लैट्स एनालिटिक्स के मुताबिक, त्योहारों और शादियों के चलते अगले कुछ महीनों के दौरान भारत में पेट्रोलियम की मांग बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी इक्रा के वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड प्रशांत वशिष्ठ के मुताबिक, कच्चा तेल 1 डॉलर प्रति बैरल महंगा होने पर देश में पेट्रोल-डीजल के दाम औसतन 55-60 पैसे प्रति लीटर बढ़ जाते हैं।

उत्तर प्रदेश में शीतकालीन अमरूद के उत्पादन में भारी गिरावट

नई दिल्ली। मौसम में हो रहे बदलाव का असर बागवानी फसलों पर होने लगा है और इस बार विश्व प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश के अमरूद उत्पादन क्षेत्र में इसके शीतकालीन फसल के उत्पादन में भरी गिरावट आई है। इस बार बारिश का मौसम अत्यधिक थी और यह सितंबर तक जारी रही। बरसात के मौसम की अधिकता के कारण सर्दियों की फसल के उत्पादन के लिए फूल नहीं आए क्योंकि बारिश के मौसम की अधिक होने के कारण नए कल्ले नहीं निकले। किसानों के अनुसार सर्दियों की फसल पिछले वर्ष की फसल का लगभग 20 प्रतिशत थी। वर्षा ऋतु की फसल का अधिक मात्रा में होने का एक अन्य कारण हल्का तापमान (ग्रीष्मकाल के दौरान सामान्य तापमान से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस कम) था।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।